सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

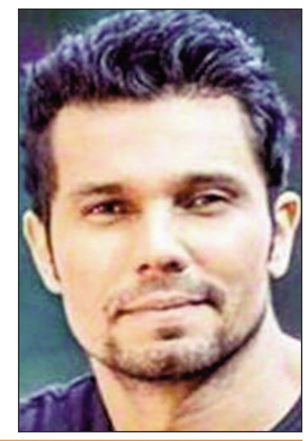

अमन मोखाड़े ने रचा इतिहास, लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज... पेज: 7

ग्लैमर से ज्यादा कंटेंट को अहमियत देते हैं रणदीप पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 278 | शनिवार 17 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

बीएमसी चुनाव में मिटने वाली स्याही का उपयोग वोट चोरी का एक और परेशान करने वाला अध्याय : सिद्धारमैया

नई दिल्ली एजेंसीः कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को मीडिया में आई उन खबरों पर चिंता जताई जिनमें दावा किया गया था कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी)चुनाव के दौरान मतदाताओं की उंगली पर मिटने वाली स्याही लगाई गई थी। उन्होंने इसे ह्यह्यवोट चोरी का एक और परेशान करने वाला अध्याय बताया। सिद्धरमैया ने कहा कि लोकतंत्र तभी कायम रह सकता है जब हर वोट की शुचिता बनी रहे। उन्होंने कहा कि चुनावी सुरक्षा उपायों की विश्वसनीयता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव नौ साल बाद बृहस्पतिवार को हुए और मतगणना शुक्रवार को की जा रही है। नतीजों और रुझानों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन स्पष्ट बहुमत हासिल करती नजर आ रही है।

'हमने युवाओं को खुला आसमान दिया', स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने गिनाईं उपलब्धियां

नई दिल्ली एजेंसीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस और स्टार्टअप इंडिया के 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नेशनल स्टार्टअप डे का ये अवसर, स्टार्टअप फाउंडर्स और इनोवेटर्स का ये समूह, मैं अपने सामने नए और विकसित होते भारत का भविष्य देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि पहले स्टार्टअप को अक्सर असफलता का रास्ता माना जाता था। आज हम विज्ञान भवन में होने वाली सभाओं से आगे बढ़कर भारत मंडपम में खचाखच भरे हॉल तक पहुँच चुके हैं। मुझे खुद को भाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे एक ही सप्ताह में दूसरी बार युवाओं से बातचीत करने का अवसर मिला है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज से 10 साल पहले, विज्ञान भवन में 500झ 700 नौजवानों के बीच इस कार्यक्रम की शुरूआत की थी। उस समय स्टार्टअप की दुनिया में जो नए-नए लोग आ रहे थे, उनके अनुभव मैं सुन रहा था और मुझे याद है एक बेटी, जो कॉरपोरेट वर्ल्ड से अपनी नौकरी छोड़कर स्टार्टअप की तरफ जा रही थी। नौकरी छोड़कर वो कोलकाता अपनी मां से मिलने गई और मां से कहा कि मैंने नौकरी छोड़ दी है और मैं स्टार्ट करना चाहती हूं। फिर उसकी मां ने कहा, सर्वनाशङ्क तुम बबार्दी की राह पर क्यों जा रही हो! स्टार्टअप को लेकर ये सोच हमारे देश में थी और आज हम कहां से कहां पहुंच गए, विज्ञान भवन से भारत मंडपम तक, जहां जगह नहीं है। मोदी ने कहा कि हमारे यंग इनोवेटर्स, जिन्होंने नए सपने देखने का साहस दिखाया, मैं उन सभी की बहुत-बहुत सराहना करता हूं। आज हम स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे होने का माइलस्टोन सेलिब्रेट कर रहे हैं। 10 साल की ये जर्नी सिर्फ एक सरकारी योजना के सफल होने की कहानी नहीं है, ये आप जैसे हजारों-लाखों सपनों की जर्नी है। ये कितने ही सपनों के साकार होने की यात्रा है। उन्होंने कहा कि आप याद कीजिए, 10 साल पहले हालत क्या थे... इंडिविजुअल एफर्ट और इनोवेशन के लिए गुंजाइश ही नहीं थी। हमने उन परिस्थितियों को चैलेंज किया, हमने स्टार्टअप इंडिया लॉन्च किया और हमने युवाओं को खुला आसमान दिया, और आज नतीजा हमारे सामने है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि सिर्फ 10 साल में स्टार्टअप इंडिया मिशन क्रांति बन चुका है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा, वास्तविक समस्याओं के समाधान पर ध्यान दे रहे हैं, स्टार्टअप इंडिया मिशन एक क्रांति बन गया है। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले, देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, आज ये संख्या बढ़कर दो लाख से ज्यादा हो गई है। 2014 में भारत में सिर्फ 4 यूनिकॉर्न थे, आज भारत में करीब सवा सौ सक्रिय यूनिकॉर्न हैं। दुनिया भी आज इस सक्सेस स्टोरी को हैरानी से देख रही है। आने वाले समय में जब भारत की सक्सेस स्टोरी की बात होगी, तब यहां बैठे कितने ही युवा खुद में एक ब्राइट केस स्टडी बनने वाले हैं।

जिससे भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टार्टअप इंडिया मिशन के 10 वर्षो को एक क्रांति बताया, जिसने देश की सोच को बदला है। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा अब वास्तविक समस्याओं का समाधान कर रहे हैं, जिससे भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है।

सीएम धामी ने पैरा-एथलीटों को सराहा, बोले- हर चुनौती को अवसर में बदलना ही नव भारत की पहचान

उत्तराखंड एजेंसीः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय पैरालिंपिक पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए कहा कि पिछले दशक में भारत के खेल इतिहास में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है, जिससे यह दौर भारतीय खेलों के लिए एक स्वर्णिम अध्याय बन गया है। रुड़की स्थित सीओईआर विश्वविद्यालय से वर्चुअल मंच के माध्यम से आयोजित चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह चैंपियनशिप केवल एक खेल आयोजन नहीं है, बल्कि भारत की अदम्य इच्छाशक्ति का उत्सव है, जो हर बाधा को चुनौती और हर चुनौती को अवसर में बदल देती है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि

पावरलिफ्टिंग अनुशासन, धैर्य, साहस और आत्मविश्वास का प्रतीक है। "यह खेल केवल ताकत के बारे में नहीं है; यह लचीलेपन और आत्मसम्मान का भी एक अनूठा उदाहरण है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भारत के दिव्यांग भाई-बहन आज हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि भारत की पहली पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता (शीतल देवी) मुरलीकांत पेटकर ने 1972 के ग्रीष्मकालीन पैरालिंपिक खेलों में तैराकी में स्वर्ण पदक जीता था। इसी तरह, सत्येंद्र सिंह लोहिया 12 घंटे के भीतर इंग्लिश चैनल पार करने वाले पहले भारतीय दिव्यांग एथलीट बने। मुख्यमंत्री धामी ने कहा भारत की पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने, बिना हाथों के भी, विश्व पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि कमजोरी को ताकत में बदला जा सकता है। इसी तरह, भारतीय दिव्यांग महिला क्रिकेट टीम ने कोलंबो में आयोजित टी20 ब्लाइंड महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 जीतकर देश को गौरवान्वित किया। मुख्यमंत्री धामी ने आगे कहा कि टोक्यो पैरालंपिक्स में अवनी लेखारा ने शूटिंग में स्वर्ण पदक जीता और सुमित अंतिल ने भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतकर वैश्विक स्तर पर भारत का दबदबा कायम किया। इसके अलावा, 2024 पेरिस पैरालंपिक्स में भारतीय एथलीटों ने 29 पदक जीतकर इतिहास रच दिया। साथ ही, दुबई में आयोजित 2025 एशियाई युवा पैरा गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने 110 पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि भारतीय पैरालंपिक एथलीट किसी से कम नहीं हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ बोले- पीएम मोदी ने देश में विकसित की नई खेल संस्कृति, पहले होती थी उपेक्षा

लखनऊ एजेंसीः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय बास्केटबॉल (महिला) प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। उद्घाटन समारोह के दौरान, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल की सराहना की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2014 से पहले, खेल प्रतियोगिताएं सरकार के एजेंडे का हिस्सा नहीं थीं, और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण खिलाड़ी या तो पलायन कर जाते थे या निराश हो जाते थे। हालांकि, 2014 के बाद स्थिति बदल गई है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, 2014 से पहले, खेल और खेल प्रतियोगिताएं

सरकार के एजेंडे का हिस्सा नहीं थीं। अक्सर इनकी उपेक्षा की जाती थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर के बुनियादी ढांचे की कमी के कारण, हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ी या तो पलायन कर गए या निराश हो गए, लेकिन अब, 2014 के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने देश में जो नई खेल संस्कृति विकसित की है, वह वास्तव में सराहनीय है। हाल ही में, पद्म श्री से सम्मानित और भारतीय बास्केटबॉल की पूर्व कप्तान प्रशांति सिंह ने तेजी से बढ़ते 3x3 प्रारूप पर चर्चा की, जो भारतीय बास्केटबॉल के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। खेल में भारत की संभावनाओं पर बोलते हुए, प्रशांति ने इस बात पर जोर दिया कि 3x3 प्रारूप भारत को उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का एक व्यावहारिक मार्ग प्रदान करता है। अर्जुन पुरस्कार विजेता ने कहा किमुझे लगता है कि 3x3 प्रारूप के आने से हमारे लिए यह एक अच्छा अवसर है। हम ओलंपिक में व्यक्तिगत खेलों में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं क्योंकि इसमें व्यक्तिगत जवाबदेही होती है। हमें ३७३ प्रारूप के लिए चार खिलाड़ियों की एक टीम बनानी होगी। आप एक अच्छी टीम बना सकते हैं। अगर आपके पास घरेलू स्तर पर 25 से 30 खिलाड़ियों का समूह है, तो आपको विश्व स्तरीय खिलाड़ी मिल जाएगा। मुझे लगता है कि इस प्रारूप से हम वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

भारत के शिया मुस्लिम ईरान के समर्थन में उतरे, कारगिल से लेकर लखनऊ तक उठ रही समर्थन में आवाजें

लखनऊ एजेंसीः देश के अलग अलग हिस्सों में शिया समुदाय के लोग ईरान के समर्थन में सामने आ रहे हैं। लद्दाख के करगिल जिले और उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से इस मुद्दे पर मजबूत प्रतिक्रियाएं सामने आयी हैं। शिया समुदाय का कहना है कि ईरान के साथ हो रहा व्यवहार अन्यायपूर्ण है और भारत को इस मुद्दे पर चुप नहीं रहना चाहिए। हम आपको बता दें कि करगिल में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे और ईरान की सरकार तथा वहां की जनता के साथ एकजुटता प्रकट की। यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा जिसमें पुरुष महिलाएं और युवा शामिल हुए। लोगों ने अमेरिका और इजराइल के विरोध में नारे लगाए और ईरान पर लगाए गये प्रतिबंधों की आलोचना की। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि बाहरी दबाव से आम जनता को नुकसान होता है। रैलियां करगिल के प्रमुख इलाकों से होकर गुजरीं जहां लोगों ने बैनर और तख्तियों के

माध्यम से अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि ईरान क्षेत्र में आत्मसम्मान और स्वतंत्र नीति के लिए खड़ा है और ऐसे समय में उसका समर्थन जरूरी है। वहीं, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शिया धर्मगुरुओं ने केंद्र सरकार से अपील की है कि भारत को ईरान के पक्ष में संतुलित और सहयोगपूर्ण रुख अपनाना चाहिए। धर्मगुरुओं ने कहा कि ईरान भारत का पुराना मित्र रहा है और वर्तमान हालात में उसका साथ देना नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पश्चिमी देशों की नीतियों को क्षेत्र में तनाव का कारण बताया। धर्मगुरुओं का कहना है कि भारत को वैश्विक मंच पर शांति और न्याय के पक्ष में खड़े होकर ईरान के साथ संवाद और सहयोग को मजबूत करना चाहिए। उनका मानना है कि चुप रहना सही विकल्प नहीं है और भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का परिचय देना चाहिए। देखा जाये तो करगिल से लेकर लखनऊ तक उठ रही ये आवाजें यह दिखाती हैं कि शिया समुदाय ईरान के मुद्दे पर एकजुट है और चाहता है कि भारत खुलकर ईरान का साथ दे।

सुनील सिंघी और पंकज मेसोन का हरिद्वार आगमन पर स्वागत

नई दिल्ली एजेंसीः राज्य व्यापार मण्डल (रजि.) उत्तराखंड के पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड चेयरमैन भारत सरकार सुनील सिंघी जी एवम दून वैली महानगर उद्योग व्यापार मण्डल अध्यक्ष पंकज मेसोन जी के हरिद्वार आगमन पर फूल मालाओ पटका पहना कर स्वागत किया। राज्य व्यापार मण्डल उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र चौटाला जी ने कहा की माध्यम वर्ग का व्यापारी अर्धव्यवस्था की रीड है। इसका संरक्षण करना सरकार ० संगठन की जिम्मेदारी है राजेंद्र चौटाला ने कहा उत्तराखंड में भी जल्द उत्तराखंड व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए जिसको लेकर संगठन के पदाधिकारियों ने चेयरमैन सुनील सिंघी जी को ज्ञापन दिया, दून वैली व्यापार मण्डल अध्यक्ष पंकज मेसोन ने कहा की व्यापारी सगठनों का मुख्य उद्देश्य व्यापारी हितों की

रक्षा करना है। जल्द बोर्ड के गठन को लेकर आगे भी वार्ता की जाएगी स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष श्री सुमित अरोड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री तेज प्रकाश साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री नितिन चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री विजय प्रजापति ,प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री विशाल गोस्वामी, महानगर अध्यक्ष श्री संदीप अग्रवाल, महामंत्री अनन्त पांडे, उपाध्यक्ष सोनल गर्ग जी,ब्राह्मपुरी व्यापार मण्डल अध्यक्ष मास्टर मुन्ना जी, प्रचार सचिव गोकुल सिंह रावत जी, मनीष जी, जसवंत बिष्ट जी, नितिन शर्मा, आदि व्यापारी उपस्थित रहे।

निर्वाचन आयोग पर गुमराह करने के राहुल के आरोप पर भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली एजेंसीः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर ह्यखानदानी चोर वाला तंज कसते हुए आरोप लगाया कि महाराष्ट्र निकाय चुनाव की मतगणना जारी रहने के दौरान चुनाव प्रक्रिया को बदनाम करके वह लोगों को गुमराह कर रहे हैं। यह प्रतिक्रिया गांधी के इस बयान पर आई है कि ह्यह्यवोट चोरी एक राष्ट्र विरोधी कृत्य हैह्लह्ल और निर्वाचन आयोग नागरिकों को गुमराह कर रहा है। राहुल ने महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव में मार्कर पेन में इस्तेमाल होने वाली पक्की स्याही की गुणवत्ता पर विवाद के बीच यह बयान दिया। राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बहाना ब्रिगेड की वापसी! गिनती खत्म होने से पहले हार स्वीकार रहे हैं? उन्होंने कहा, राहुल वही कर रहे हैं जिसमें वह सबसे अच्छे हैं -- बदनाम

करना, तोड़-मरोड़कर पेश करना और गलत जानकारी देना। खानदानी चोर अब ठाकरे परिवार के दावों को दोहरा रहे हैं। पूनावाला ने यह भी कहा कि बिहार चुनाव पर राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों का क्या नतीजा निकला। भाजपा के एक और राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, हर मौसम में परिवारवादी जांच से बचने के लिए कोई न कोई आरोप लगाते हैं, जो कानून की अदालत और जनता की राय की अदालत में बेकार साबित होते हैं। भंडारी ने एक्स पर कहा, पाकिस्तान से समर्थन पाने वाली देश विरोधी पार्टी, बीएमसी चुनावों में हार सुनिश्चित देखते हुए बलि का बकरा ढूंढ रही है। भाजपा ने कई मौकों पर गांधी के वोट चोरी के आरोपों को बेबुनियाद और अपनी नाकामियों को छिपाने की कोशिश बताया है।

पंजाब की राजनीति में बीजेपी का बड़ा दांव, दिग्गज नेता जगमीत बरार ने समर्थकों संग थामा 'कमल'

चंडीगढ़ एजेंसीः हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू की उपस्थिति में प्रमुख नेता जगमीत सिंह बराड़, उनके भाई और पूर्व विधायक रिपजीत सिंह बराड़, पूर्व ओएसडी चरणजीत सिंह बराड़ और पूर्व ओएसडी ओंकार सिंह भाजपा में शामिल हो गए। इस अवसर पर पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़, कार्यवाहक अध्यक्ष अश्वनी शर्मा और विनीत जोशी भी उपस्थित थे। 67 वर्षीय जगमीत बराड़ के अलावा, उनके भाई रिपजीत सिंह बराड़ (पूर्व विधायक), ओंकार सिंह सिद्धू (पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के पूर्व ओएसडी) और चरणजीत सिंह बराड़ (एसएडी प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के पूर्व ओएसडी) भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। जगमीत बराड़ ने 2015 में कांग्रेस छोड़ दी थी, जिससे पार्टी के साथ उनका तीन दशक से अधिक का जुड़ाव समाप्त हो गया था। जगमीत बराड़ ने 2015 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था, जिससे पार्टी के साथ उनका तीन दशक से अधिक पुराना नाता टूट गया था। उन्होंने 2016 में लोक हित अभियान नामक अपनी पार्टी शुरू की थी। वह 2016 में ही तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए और पार्टी छोड़ने से पहले 2018 तक इसकी राज्य इकाई के अध्यक्ष रहे। जगमीत वर्ष 2019 में शिरोमणि

अकाली दल में भी शामिल हुए थे। दिसंबर 2022 में, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता के रूप में उन्होंने घोषणा की थी कि उन्होंने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा के पंजाब इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़, पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने भाजपा में शामिल हुए नेताओं का स्वागत किया। सैनी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि पंजाब के लोगों ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार को सत्ता से बाहर करने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा, सभी वर्ग इस सरकार से परेशान हैं। भाजपा पंजाब में अगली सरकार बनाएगी। लोगों ने अपना मन बना लिया है। भगवंत मान सरकार पर निशाना साधते हुए सैनी ने कहा आम लोगों, व्यापारियों और अन्य वर्गों में डर का माहौल है। जब लोग घर से बाहर निकलते हैं तो उनके परिवार उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं। राज्य में भय का वातावरण बना हुआ है। सैनी ने कहा कि यदि कोई पंजाब को आगे ले जा सकता है तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा ही है। हरियाणा का हवाला देते हुए उन्होंने किसानों सहित विभिन्न वर्गों के लिए भाजपा सरकार द्वारा उठाए गए कई कल्याणकारी कदमों का जिक्र किया और कहा कि उनकी पार्टी आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के विपरीत अपने वादों को पूरा करती है। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोगों ने कांग्रेस शासन के दौरान जो कुछ हुआ उसे देखा और पार्टी अपने वादे पूरे करने में विफल रही। लोगों ने आप को मौका दिया, लेकिन उन्हें यह नहीं पता था कि वह भी कांग्रेस के रास्ते पर ही चलेगी। जाखड़ ने भी आप सरकार पर हमला करते हुए कहा कि पंजाब में कोई भी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, लोग भाजपा को बड़ी उम्मीद के साथ देख रहे हैं, लोग मजबूत नेतृत्व चाहते हैं।

67 वर्षीय जगमीत बराड़ के अलावा, उनके भाई रिपजीत सिंह बराड़ (पूर्व विधायक), ओंकार सिंह सिद्धू (पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के पूर्व ओएसडी) और चरणजीत सिंह बराड़ (एसएडी प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के पूर्व ओएसडी) भी भाजपा में शामिल हो गए हैं।

संपादकीय

संवैधानिक व्यवस्था दायरे में नहीं

कोलकाता की घटना संघीय ढांचे के चरमराने का संकेत है। संबंधित पक्ष ऐसे विवादों से सड़कों पर निपटने लगें, तो उसका अर्थ है कि बात संवैधानिक व्यवस्था के दायरे में नहीं रह गई है। आखिर इस तरह की नौबत क्यों आई? कोलकाता में आई-पैक के दफ्तर पर प्रवर्तन निदेशालय के छापे का मुकाबला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सड़क पर उतर कर किया। ऐसा शायद पहली बार हुआ, जब एक केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई के बीच किसी मुख्यमंत्री ने इस तरह का दखल दिया हो। उस घटना के बाद से ममता बनर्जी और उनकी पार्टी ने इसको लेकर एक बड़ा राजनीतिक अभियान छेड़ रखा है। उधर ईडी ने सुप्रीम कोर्ट की पनाह ली है। ईडी का इल्जाम है कि आई-पैक एजेंसी से जुड़े व्यक्तियों ने हवाला के जरिए अवैध रूप से धन का लेन-देन किया है। जबकि तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि चूंकि आई-पैक को उसने अपने विधानसभा चुनाव अभियान के प्रबंधन का ठेका दिया है और इसलिए उसके पास पार्टी की रणनीति संबंधी आंकड़े हैं, तो उन्हें ही चुराने ईडी वहां गई थी। तृणमूल की शिकायत पर कोलकाता पुलिस ने दस्तावेजों की चोरी का केस दर्ज किया है। उसने उन ईडी तथा केंद्रीय शस्त्र बल के कर्मियों की पहचान शुरू कर दी है, जो आई-पैक के दफ्तर पर गए। तो इस रूप में ये मामला केंद्र और राज्य सरकारों के बीच टकराव में तब्दील हो गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि तृणमूल ने अपनी शिकायत को बयानों या कानूनी चुनौती तक सीमित नहीं रखा। उसकी नेता एवं मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष हस्तक्षेप से ईडी के छापे में रुकावट डाली। यह घटना देश के संघीय ढांचे के चरमराने का संकेत है। संबंधित पक्ष ऐसे विवादों से सड़कों पर निपटने लगें, तो उसका अर्थ है कि बात संवैधानिक व्यवस्था के दायरे में नहीं रह गई है। यह गंभीर विचार-विमर्श का विषय है कि ये नौबत क्यों आई? साफ वजह राजनीतिक वर्ग में आपसी भरोसे का टूट जाना है। विपक्षी खेमों में आम धारणा है कि केंद्रीय एजेंसियां सत्ताधारी भाजपा के सियासी मकसद को साधने का औजार बन गई हैं। इस दौर में कानूनों की व्याख्या के क्रम में न्यायपालिका ने भी राजनीतिक परिदृश्य की अनदेखी कर तकनीकी नजरिया अपना रखा है।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करो। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मों को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वंद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वंद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वंद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वंद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अनन्त काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

युवाओं को साइबर स्लेवरी में धकेल रहे हैं कबूतर बाज

मनोज कुमार अग्रवाल

विदेश मे जाकर नौकरी रोजगार कर बेशुमार दौलत कमाने का सपना किसे अच्छा नही लगता है? अच्छे पैसे कमाए और बेहतर जीवन जीने की अभिलाषा कबूतर बाज एजेंटों के जाल में फंस कर जीवन बर्बाद कर रही है । इन एजेंटों के दिखाए सब्जबाग में अपने सुखद भविष्य के सपने संजोकर अनेक युवा किसी भी तरीके से विदेश पहुंचने की कोशिश करते रहते हैं परंतु उनमें से अनेक युवक जालसाज ट्रैवल एजेंटों के हाथों ठगी का शिकार हो रहे हैं जिनकी मात्र इसी महीने के 4 दिनों में सामने आई घटनाएं निम्न में दर्ज हैं :

14 जनवरी मेरठ शहर के आजाद चौक व कांधला क्षेत्र के छह युवकों को सिंगापुर और मलेशिया में मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी का झांसा देकर 26 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। यही नहीं, दो युवकों को फर्जी कागजात के आधार पर मलेशिया भेज दिया गया, जहां उन्हें 15 दिन तक बंधक बनाकर रखा गया। तीन जनवरी को दोनों युवक किसी तरह भारत लौटे। पीड़ितों ने एसपी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। एसपी ने मामले की जांच शुरू करा दी है।

14 जनवरी नोएडा पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं को ठगने और साइबर अपराधियों के हवाले करने वाले फर्जी एजेंट शुभम को गिरफ्तार किया है. आरोपी सोशल मीडिया के जरिए पीड़ितों से पैसे वसूल करता था और उन्हें थाईलैंड, म्यांमार में साइबर स्लेवरी में फंसा देता था. पुलिस आरोपी के नेटवर्क और अन्य सहयोगियों की गहन जांच कर रही है.

14 जनवरी को ही दुबई में फंसे उत्तराखंड रुद्रपुर के चार युवकों ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर पुलिस से गुहार लगाई है. जिसके बाद एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने मामले की जांच सौंपते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए हैं.

4 जनवरी, 2026 को सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) में एक एजेंट द्वारा विदेश जाने के इच्छुक युवक को अमरीका पहुंचाने का वायदा करके उससे 60 लाख रुपयों की ठगी करने का मामला सामने आया। शिकायतकर्त्ता के अनुसार पहले उसे दुबई ले जाया गया और वहां से अजरबैजान भेज दिया। 6 जनवरी को जम्मू में अनिल किशोर नामक एक पीड़ित ने एक ट्रैवल एजैंट मां-बेटे के विरुद्ध शिकायत दर्ज करवाई कि आरोपियों ने उसे कम्बोडिया का वर्क वीजा दिलाने के नाम पर उससे 1.20 लाख रुपए लिए थे परंतु न तो वीजा दिलवाया और न ही रकम वापस की गई।

6 जनवरी को ही नवादा (बिहार) में एजाजुल हसन नामक युवक ने विदेश भेजने का झांसा देकर उससे 1 लाख 30 हजार रुपए ठगने के आरोप में ठग ट्रैवल एजैंट के विरुद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

6 जनवरी को ही फतेहपुर (उत्तर प्रदेश) में एक युवक को विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे 1.40 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में एक ठग ट्रैवल एजैंट को गिरफ्तार किया गया।

7 जनवरी को हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) के भोरंज में विदेश में नौकरी दिलवाने के नाम पर एक युवक से ठगी का मामला सामने आया। आरोप है कि बोगस ठग ट्रैवल एजेंट ने उक्त युवक को थाईलैंड में अच्छी नौकरी दिलवाने का लालच देकर वहां भेजने की बजाय म्यांमार भेज दिया।

7 जनवरी को ही एक व्यक्ति ने चंडीगढ़ के सैक्टर 17 थाने में कनाडा का वर्क परमिट दिलाने का झांसा देकर उससे 18 लाख रुपए की ठगी करने के आरोप में एक ट्रैवल एजैंट के विरुद्ध शिकायत दर्ज करवाई।

7 जनवरी को ही पंचकूला (हरियाणा) में एंटी इमीग्रेशन फ्राड यूनिट ने शिकायतकर्ता को स्टडी वीजा दिलाने का झांसा देकर उससे 13 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में एक बोगस ट्रैवल एजैंट को गिरफ्तार किया।

7 जनवरी को ही कौशाम्बी (उत्तर प्रदेश) में एक व्यक्ति को विदेश भेजने के बहाने उससे 60,000 रुपए ठग लेने के आरोप में पुलिस ने एक ठग ट्रैवल एजेंट के विरुद्ध केस दर्ज किया। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी ने उसे विदेश नहीं भेजा और अपने पैसे वापस मांगने पर गंभीर परिणामों की धमकियां देनी शुरू कर दीं।

7 जनवरी को ही प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में एक युवक को सऊदी अरब में नौकरी दिलवाने के बहाने एक ट्रैवल एजैंट द्वारा उससे 1.25 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया। आरोपी ने न तो उसे वीजा दिलवाया और न ही नौकरी दिलवाई तथा बाद में उसका फोन उठाना भी बंद कर दिया।

7 जनवरी को ही गोपालगंज (बिहार) में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने छापेमारी करके विदेश में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर लोगों को ठगने वाले एक फर्जी ट्रैवल एजेंट मृत्युंजय सिंह को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 349 भारतीय पासपोर्ट बरामद किए।

ये तो सिर्फ चंद घटनाओं की बानगी है आजकल रोजाना सैकड़ों युवाओं से विदेश में पढ़ाई रोजगार के नाम पर ठगी का बड़ा धंधा चल रहा है

ऐसी घटनाओं के दृष्टिगत जरूरी है कि विदेश जाने के इच्छुक लोग पहले संबंधित कम्पनी, एजेंट और दस्तावेजों की पूरी जांच-पड़ताल अवश्य करें और केवल अधिकृत एवं पंजीकृत एजेंटों के माध्यमों से ही विदेश जाएं।

इमीग्रेशन नियमों में हो रही सख्ती और बिगड़ रही अर्थव्यवस्था के कारण वैसे भी विदेश में बसना मुश्किल हो गया है। कनाडा और अमरीका के अलावा यूरोप में भी इमीग्रेशन कानून सख्त हो रहे हैं।

अतः जितनी रकम माता-पिता अपने बच्चों को विदेश भेजने पर खर्च करते हैं, उतनी ही रकम भारत में खर्च करके वे अपने बच्चों को अच्छा कारोबार शुरू करवा दें ताकि वे अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी रोजगार व आय के साधन पैदा करके देश में बेरोजगारी दूर कर सकें।जरा सा असावधानी से न सिर्फ माँ बाप के खून पसीने की कमाई जालसाज हड़प लेंगे वरन विदेश पहुच कर साइबर स्लेवरी के शिकार भी बन सकते हैं वहा हजारों पढे लिखे नौजवान संडास की सफाई और जबरन युद्ध के मैदान मे भी उतार दिए गए हैं जिस कारण उनका सुरक्षित वापस लौटना भी भगवान भरोसे है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

माँ-बाप की नीयत, परवरिश और टूटते घर

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय समाज में माता-पिता को सर्वोच्च नैतिक स्थान प्राप्त है। उन्हें त्याग, तपस्या और निस्वार्थ प्रेम का प्रतीक माना जाता है। बचपन से ही यह सिखाया जाता है कि माँ-बाप कभी गलत नहीं हो सकते। उनकी हर बात आदेश है, हर निर्णय अंतिम सत्य। लेकिन बदलते सामाजिक परिदृश्य में यह धारणा अब कई सवालों के घेरे में है। आज जब पारिवारिक विघटन, तलाक, अलगाव और घरेलू तनाव की घटनाएँ बढ़ रही हैं, तब यह जरूरी हो गया है कि हम ईमानदारी से यह स्वीकार करें-माँ-बाप भी हमेशा सही नहीं होते। आज अनेक परिवारों में टूटन का कारण केवल पति-पत्नी के बीच का मतभेद नहीं है, बल्कि उसके पीछे माता-पिता की भूमिका भी उतनी ही निर्णायक होती जा रही है। यह कहना कठोर लग सकता है, लेकिन सच्चाई यही है कि कई घरों में माता-पिता द्वारा किया गया पक्षपात, हस्तक्षेप और नियंत्रण रिश्तों को भीतर से खोखला कर रहा है।

सबसे पहले बात करते हैं भेदभाव की संस्कृति की। भारतीय परिवारों में यह कोई नई बात नहीं है कि बच्चों के बीच तुलना और पक्षपात होता रहा है। बड़ा बेटा 'वारिस' माना जाता है, छोटा 'समझौता' करता है, बेटी 'पराया धन' होती है और बहू 'बाहरी'। यही सोच जब व्यवहार में उतरती है, तो घर में स्थायी तनाव पैदा हो जाता है। माता-पिता अनजाने में या जानबूझकर एक बेटे के पक्ष में खड़े हो जाते हैं, दूसरे को उपेक्षित कर देते हैं। बहू को हर विवाद की जड़ मान लिया जाता है, जबकि बेटी के दोष पर पर्दा डाल दिया जाता है। यह असमानता रिश्तों को धीरे-धीरे तोड़ देती है। विवाह के बाद बहू का स्थान आज भी कई घरों में संदिग्ध बना रहता है। उससे उम्मीद की जाती है कि वह बिना सवाल किए हर परंपरा को स्वीकार करे, हर निर्णय माने और अपनी पहचान को त्याग दे। यदि वह अपने अधिकार, सम्मान या स्वतंत्रता की बात करती है, तो उसे 'घर तोड़ने वाली' करार दे दिया जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि कई बार घर पहले ही भीतर से टूट चुका होता है-सिर्फ दिखावा बचा होता है।

माता-पिता का अत्यधिक हस्तक्षेप भी आज पारिवारिक विघटन का बड़ा कारण बन रहा है। बेटे-बहू के निजी मामलों में दखल देना, छोटी-छोटी बातों को तूल देना, बहू की शिकायतों को नजरअंदाज करना और बेटे को भावनात्मक दबाव में रखना-ये सब स्थितियाँ विवाह को बोझ बना देती हैं। बेटा अक्सर दो पाटों के बीच फँस जाता है-एक ओर पत्नी, दूसरी ओर माता-पिता। और समाज उसे यही सिखाता है कि माता-पिता का साथ देना ही धर्म है, चाहे इसके लिए दांपत्य जीवन की बलि क्यों न देनी पड़े। यह भी देखने में आता है कि बेटी की शादी के बाद भी माता-पिता उसे अपने नियंत्रण में रखना चाहते हैं। बेटी को बार-बार मायके बुलाकर, उसके वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप कर, दामाद के खिलाफ राय बनाकर, वे अनजाने में बेटी का घर कमजोर कर देते हैं। नतीजा यह होता है कि बेटी और दामाद के बीच अविश्वास पनपता है, और अंततः रिश्ता टूटने की कगार पर पहुँच जाता है।

एक और गंभीर पहलू है भावनात्मक ब्लैकमेल। 'हमने तुम्हारे लिए क्या-क्या नहीं किया', 'हमारे कारण तुम इस मुकाम पर हो', 'अगर हमारी बात नहीं मानी तो लोग क्या कहेंगे'-ऐसे वाक्य बच्चों को मानसिक रूप से जकड़ लेते हैं। वे अपनी खुशी, अपने रिश्ते और अपने सपनों की कीमत पर भी माता-पिता को खुश रखने की कोशिश करते हैं। लेकिन यह दबा हुआ असंतोष किसी न किसी दिन विस्फोट बनकर सामने आता है। समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब समाज भी इस मानसिकता को बढ़ावा देता है। हर विवाद में सबसे पहले सवाल बहू से किया जाता है-'क्या किया तुमने?' बेटे को 'मजबूर' मान लिया जाता है और माता-पिता को 'पीड़ित'। इस सामूहिक पूर्वाग्रह के कारण सच्चाई कभी सामने नहीं आ पाती। जिन घरों में माता-पिता की भूमिका नकारात्मक होती है, वहाँ भी उन्हें प्रश्नों से ऊपर रखा जाता है।

यह कहना भी जरूरी है कि हर माता-पिता दोषी नहीं होते। असंख्य माता-पिता ऐसे हैं जो संतुलित, संवेदनशील और न्यायप्रिय होते हैं। वे बच्चों को स्वतंत्र निर्णय लेने देते हैं, बहू-दामाद को सम्मान देते हैं और संवाद को प्राथमिकता देते हैं। लेकिन समस्या उन माता-पिता की है जो अपने अनुभव को अंतिम सत्य मान लेते हैं और बदलते समय को स्वीकार करने से इनकार कर देते हैं। आज का युवा अलग सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों में जी रहा है। उसके सामने करियर का दबाव है, आर्थिक असुरक्षा है, बदलते रिश्तों की चुनौतियाँ हैं। ऐसे में उसे सहयोग चाहिए, नियंत्रण नहीं। उसे समझ चाहिए, आदेश नहीं। माता-पिता यदि यह समझने में असफल रहते हैं, तो टकराव स्वाभाविक है। परिवार संस्था को बचाने के लिए सबसे जरूरी है आत्ममंथन। माता-पिता को यह स्वीकार करना होगा कि उम्र के साथ-साथ अधिकार नहीं, जिम्मेदारी बढ़ती है। मार्गदर्शन और हस्तक्षेप में अंतर होता है। बच्चों की शादी का अर्थ यह नहीं कि वे हमेशा माता-पिता की इच्छाओं के अनुसार ही जिएँ। उन्हें अपनी गलतियों से सीखने का अवसर देना भी परवरिश का हिस्सा है।

साथ ही, बच्चों को भी यह समझना होगा कि संवाद ही समाधान है। टकराव, कटुता और अलगाव स्थायी समाधान नहीं हैं। लेकिन संवाद तभी संभव है जब माता-पिता भी सुनने को तैयार हों-बिना जजमेंट, बिना अहंकार। आज जरूरत है कि हम 'माँ-बाप हमेशा सही होते हैं' जैसी भावनात्मक लेकिन अव्यावहारिक धारणाओं से बाहर आएँ। सम्मान और प्रश्न एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। माता-पिता का सम्मान करते हुए भी उनकी भूमिका की समीक्षा की जा सकती है। यही स्वस्थ समाज की पहचान है। घर टूटने का कारण कभी एक व्यक्ति नहीं होता। यह कई गलत फैसलों, दबे हुए दर्द और अनसुनी आवाजों का परिणाम होता है। यदि सच में हम परिवारों को टूटने से बचाना चाहते हैं, तो हमें साहस के साथ यह स्वीकार करना होगा कि कभी-कभी आईना माता-पिता को भी दिखाना पड़ता है। यही कड़वा सच आगे चलकर मीठे रिश्तों की नींव बन सकता है।

ईरान की उथल-पुथल एवं अमेरिका से टकराव गंभीर चुनौती

ईरान में बार-बार उभरती उथल-पुथल केवल किसी एक घटना, किसी एक फैसले या किसी एक पीढ़ी का आक्रोश नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक, वैचारिक और भू-राजनीतिक संरचना की परिणति है, जिसने 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से इस देश को आकार दिया है। आज जब सड़कों पर विरोध के दृश्य, सोशल मीडिया पर आक्रोश और पश्चिमी विश्लेषकों की ओर से सत्ता परिवर्तन की अटकलें तेज हैं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि ईरान का संकट साधारण आंतरिक असंतोष नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन से गहराई से जुड़ा हुआ प्रश्न है। ईरान की आंतरिक उथल-पुथल एवं अस्थिरता के साथ-साथ उसका अमेरिका के साथ टकराव युद्ध की स्थितियों एवं वैश्विक असंतुलन का बड़ा कारण बन रहा है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल द्विपक्षीय तनाव नहीं है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ सकते हैं। इस संघर्ष से पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ता है, जिसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और तेल की कीमतों पर पड़ सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की अस्थिरता अंतरराष्ट्रीय व्यापार की धमनियों को बाधित कर सकती है, जिससे महंगाई और आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ेगा। इसके साथ ही यह टकराव क्षेत्रीय देशों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध में खींच सकता है, जिससे शरणार्थी संकट, आतंकवाद और साम्प्रदायिक तनाव गहराने की आशंका है। महाशक्तियों के परस्पर टकराव की स्थिति में विश्व राजनीति और अधिक ध्रुवीकृत होगी, अंतरराष्ट्रीय सहयोग कमजोर पड़ेगा और शांति की जगह अविश्वास व सैन्य प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनेगा, जिसका खामियाजा अंततः पूरी मानवता को भुगतना पड़ सकता है।

1979 की इस्लामिक क्रांति ने ईरान में केवल शाह मोहम्मद रजा पहलवी को सत्ता से हटाकर एक नई सरकार स्थापित नहीं की थी, बल्कि एक ऐसी वैचारिक-राजनीतिक संरचना रची थी, जिसमें धर्म, राजनीति और सुरक्षा-तंत्र एक-दूसरे में घुलमिल गए। ह्यविलायत-ए-फकीहह्न की अवधारणा के तहत सर्वोच्च धार्मिक नेतृत्व को अंतिम राजनीतिक अधिकार सौंपा गया। इसी व्यवस्था के संरक्षण और विस्तार के लिए इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर यानी आईआरजीसी को खड़ा किया गया, जो समय के साथ केवल सैन्य शक्ति नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनीतिक और वैचारिक ताकत का भी केंद्र बन गया। यही कारण है कि ईरान की व्यवस्था को केवल सरकार या शासन कहकर नहीं समझा जा सकता; यह एक संपूर्ण तंत्र है, जिसे हटाने के लिए केवल विरोध-प्रदर्शन पर्याप्त नहीं होते।

ईरान ने पिछले चार दशकों में कई बड़े जनांदोलन देखे हैं। 2009 का ग्रीन मूवमेंट, 2017-18 की आर्थिक असंतोष की लहर, 2019 में ईंधन मूल्य वृद्धि के खिलाफ उग्र प्रदर्शन और 2022 में सामाजिक स्वतंत्रताओं को लेकर उठी आवाजेंकृहर बार यह माना गया कि शायद अब व्यवस्था डगमगाएगी। लेकिन हर बार वही सत्ता, वही ढांचा और वही शक्ति-संतुलन कायम रहा। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि ईरान में सुरक्षा-तंत्र राज्य से अलग नहीं, बल्कि राज्य का ही विस्तार है। अरब स्प्रिंग के दौरान मिस्र या तुर्किए में सेनाओं ने अंततः राष्ट्र-राज्य को बचाने का रास्ता चुना, लेकिन ईरान में आईआरजीसी खुद को क्रांति और इस्लामिक रिपब्लिक का संरक्षक मानती है, न कि केवल सीमाओं की रक्षा करने वाली संस्था। फिर भी यह कहना गलत होगा कि ईरान की व्यवस्था पर कोई दबाव नहीं है। वास्तव में, आज का दबाव पहले से कहीं अधिक जटिल और गहरा है। इसका सबसे बड़ा कारण है पीढ़ीगत बदलाव। ईरान की आबादी का बड़ा हिस्सा युवा है, जिसने 1979 की क्रांति न देखी है और न ही उससे भावनात्मक रूप से जुड़ा है। उनके लिए क्रांति कोई जीवित स्मृति नहीं, बल्कि इतिहास की किताबों का अध्याय है। उनकी आकांक्षाएं इंटरनेट, वैश्विक संस्कृति, शिक्षा, रोजगार और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं से प्रेरित हैं। जब ये आकांक्षाएं एक सख्त सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था से टकराती हैं, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है।

इस असंतोष को और तीखा बनाया है दशकों से चले आ रहे अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों ने। इन प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। तेल निर्यात सीमित हुआ, विदेशी निवेश रुका, मुद्रा कमजोर पड़ी और महंगाई ने आम नागरिक की कमर तोड़ दी। विकास और आधुनिकीकरण की गति धीमी पड़ी, जिससे खासकर शहरी मध्यम वर्ग और युवा वर्ग में भविष्य को लेकर निराशा बढ़ी। आज ईरान के कई नागरिक यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या अमेरिका और इजराइल के साथ अंतहीन दुश्मनी का बोझ उन्हीं के कंधों पर डाला जाना जरूरी है। धीरे-धीरे यह वैचारिक टकराव राष्ट्रवादी गौरव से अधिक सामाजिक बोझ के रूप में देखा जाने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव इस पूरे परिदृश्य को और खतरनाक बना देता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने के आदेश और सैन्य हस्तक्षेप के संकेतों ने पश्चिम एशिया को एक बार फिर युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया है। ईरान आज 1979 के बाद से शायद सबसे गंभीर बाहरी दबाव का सामना कर रहा है। यह टकराव केवल दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा भू-राजनीतिक खेल बन चुका है, जिसमें महाशक्तियां अपने-अपने हित साधना चाहती हैं।

अकसर यह धारणा बनाई जाती है कि बाहरी हस्तक्षेप से ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव है। लेकिन इतिहास बताता है कि ईरान में विदेशी दखलअंदाजी ने हमेशा उल्टा असर डाला है। 1953 में मोसादेग सरकार के तख्तापलट से लेकर आज तक, ह्यविदेशी साजिशह्न का कथानक ईरानी राष्ट्रवाद को मजबूत करता रहा है। बाहरी समर्थन से होने वाले आंदोलनों को जनता का व्यापक और स्थायी समर्थन नहीं मिल पाता। यही वजह है कि विपक्षी नेतृत्व, जो अक्सर देश से बाहर बैठा होता है, ईरान के भीतर विश्वसनीय विकल्प नहीं बन सका। इसके अलावा, ईरान वेनेजुएला नहीं है। यह एक बड़ा, संगठित और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण देश है, जिसकी पकड़ इराक, सीरिया, लेबनान और यमन तक फैली हुई है। यहां किसी भी प्रकार का सैन्य हस्तक्षेप पूरे पश्चिम एशिया को आग में झोंक सकता है। इजराइल, खाड़ी देश, अमेरिका और यूरोपीय शक्तियां-सब इसके प्रभाव में आएंगे। चीन और रूस भी एक अस्थिर ईरान नहीं चाहते, क्योंकि वह उनके क्षेत्रीय और वैश्विक हितों के खिलाफ होगा। यह बहुध्रुवीय संतुलन ईरान की व्यवस्था को एक अप्रत्यक्ष सुरक्षा कवच प्रदान करता है।

ईरान के भीतर आम नागरिकों का गुस्सा अब केवल आर्थिक कुप्रबंधन या भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं रह गया है। एक बड़ा वर्ग यह मानने लगा है कि शासन की प्राथमिकताएं आम लोगों की जरूरतों से कट चुकी हैं। जब नागरिक भोजन, रोजगार और सम्मानजनक जीवन की मांग कर रहे हों, तब बाहरी दुश्मनों के खिलाफ वैचारिक युद्ध और यहूदी-विरोधी राजनीति उन्हें खोखली प्रतीत होती है। कई ईरानी मानते हैं कि इसी नीति ने देश को अंतरराष्ट्रीय अलगाव में धकेला और आर्थिक बबार्दी को जन्म दिया। यदि ईरान में बाहरी मदद से सत्ता परिवर्तन की कोशिश होती है, तो इसके परिणाम केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेंगे। मध्य पूर्व में शक्ति-संतुलन बुरी तरह बिगड़ सकता है। शिया-सुन्नी तनाव, इजराइल-ईरान संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा बाजार-सब पर इसका गहरा असर पड़ेगा। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होगी। भारत के ईरान के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं। चाबहार बंदरगाह से लेकर ऊर्जा सुरक्षा तक, ईरान भारत की विदेश नीति में अहम स्थान रखता है। ऐसे में भारत को अत्यंत सावधानी के साथ अपने रणनीतिक संतुलन को बनाए रखना होगा, ताकि वह किसी एक ध्रुव का मोहरा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सके। अंततः, ईरान की वर्तमान उथल-पुथल यह संकेत देती है कि व्यवस्था पर दबाव वास्तविक है, लेकिन तात्कालिक पतन की भविष्यवाणियां अक्सर जल्दबाजी साबित होती हैं। यह संघर्ष केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि पहचान, वैचारिक दिशा और भविष्य की कल्पना का संघर्ष है। ईरान का भविष्य संभवतः न तो अचानक क्रांति से बदलेगा और न ही केवल दमन से स्थिर रहेगा। यह एक लंबी, जटिल और अंतर्द्वंद्वों से भरी प्रक्रिया होगी, जिसके परिणाम न केवल ईरान, बल्कि पूरी दुनिया की राजनीति को प्रभावित करेंगे।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। डीएम ने निर्देश दिए कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाले राजस्व की शत-प्रतिशत वसूली की जाए। डीएम ने भू राजस्व, परिवहन, स्टांप, आबकारी, खनिज, नगर निकाय, गन्ना, वाणिज्य कर, मंडी, सिंचाई, बांट माप, बैंक, विद्युत एवं अन्य विभिन्न विभागों के लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की समीक्षा करते हुए कहा कि जो शासन द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसी के सापेक्ष सभी विभाग प्रगति प्राप्त करें। उन्होंने उप जिलाधिकारियों से कहा कि आरसी वसूली शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराएं। तहसीलदार वसूली पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को

निर्देशित किया कि राजस्व वादों में दायरे के अनुसार निस्तारण सुनिश्चित कराएं। साथ ही पुराने वादों का निस्तारण सुनिश्चित कराएं। सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि समय सीमा निर्धारित कर आरसी का मिलान कर विसंगतियां दूर करें। जिलाधिकारी ने विद्युत, वानिकी, मंडी समिति, बाट माप विभाग, सिंचाई, खनिज, स्टाम्प एवं निबंधन और वाणिज्य कर की कम वसूली होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष अभियान चलाते हुए वसूली की जाए। उन्होंने आबकारी अधिकारी को सख्त निर्देश दिए कि किसी प्रकार की ओवर रेटिंग न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। नगर निकायों के कर करेत्तर एवं राजस्व संग्रह की समीक्षा करते हुए सभी निकायों को गत वर्ष के सापेक्ष 25% और अधिक उपलब्धि हासिल करने के निर्देश दिए। निधि गुप्ता वत्स ने सीएम डैशबोर्ड पर आधारित रैंक की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी विभाग सर्वोच्च रैकिंग के लिए प्रयास करें। उन्होने कहा कि इस माह बी, सी और डी कैटेगरी वाले ए के लिए प्रयास करें तथा ए रैंक वाले अपनी रैकिंग यथावत बनाए रखने हेतु अपेक्षित प्रगति करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह सहित समस्त एसडीएम, तहसीलदार और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर वायरल स्टंट वीडियो पर पुलिस की सख़्त कार्रवाई

बोलेरो वाहन सीज, दो युवक हिरासत में लेकर दी कड़ी चेतावनी

रहरा/अमरोहा(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में बोलेरो गाड़ी से खतरनाक स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित संज्ञान लेते हुए बड़ी कार्रवाई की है। थाना रहरा पुलिस एवं यातायात पुलिस अमरोहा की संयुक्त टीम ने मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए बोलेरो वाहन को मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत सीज कर दिया। बताया गया कि बीते बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कुछ युवक चलती बोलेरो गाड़ी पर बैठकर जानलेवा स्टंट करते नजर आ रहे थे। वीडियो सामने आते ही पुलिस हरकत में आई और वाहन व युवकों की पहचान कर उन्हें पकड़

लिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि बोलेरो वाहन को मनोज पुत्र तिलक राम (19), निवासी ग्राम नारंगपुर थाना किला परीक्षितगढ़ जनपद मेरठ चला रहा था, जबकि उसके साथ कृष्ण कुमार पुत्र विजयपाल सिंह (20), निवासी ग्राम खुर्तिया थाना रहरा जनपद अमरोहा मौजूद था। दोनों युवकों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में इस प्रकार की हरकत न करने की माफी मांगी। पुलिस ने बोलेरो वाहन को एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया तथा दोनों युवकों को कड़ी चेतावनी दी। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में इस तरह की लापरवाही या यातायात नियमों के उल्लंघन की पुनरावृत्ति हुई तो कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि सड़क पर स्टंट जैसे खतरनाक कृत्य न करें और यातायात नियमों का पालन करें। इस तरह की लापरवाही न केवल स्वयं की बल्कि दूसरों की जान को भी खतरे में डालती है।

सड़क सुरक्षा माह के तहत दोपहिया वाहन चालकों को नि:शुल्क हेलमेट किए वितरित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा माह के दौरान निरंतर जागरूकता कार्यक्रम और प्रवर्तन कार्रवाई चलाई जा रही है। आज बंबूगढ़ चौराहे पर वाहन चालकों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। एआरटीओ महेश शर्मा और यातायात पुलिस के टीआई अनुज मलिक के संयुक्त प्रयासों से समाजसेवी संस्था 'एंटी क्राइम एंटी करप्शन मिशन भारत' ने इस कार्यक्रम में सहयोग किया। कार्यशाला के साथ ही दोपहिया वाहन चालकों को निःशुल्क हेलमेट वितरित किए गए और व्यावसायिक वाहनों पर निःशुल्क रिफ्लेक्टर टेप लगवाया गया।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष (दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री) ओपी गोला और नगर पालिका परिषद की चेयरपर्सन शशि जैन ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज की। एआरटीओ महेश शर्मा ने बताया कि हेलमेट दुर्घटना के समय 70% तक जान बचा सकता है। सीओ ट्रैफिक शक्ति सिंह ने कहा कि दुर्घटना में पीड़ित की मदद करनी चाहिए, रील बनाने की नहीं। ओपी गोला ने नियमों के पालन को देशहित से जोड़ा, जबकि शशि जैन ने 'हम नहीं सुधरेंगे' वाली मानसिकता बदलने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम के बाद प्रवर्तन टीम ने सख्त कार्रवाई की। इसमें 7 अनधिकृत वाहन, 8 ओवरलोडेड यात्री वाहन और हाईवे पर अवैध पार्किंग के 65 मामलों में चालान काटे गए। कुल 90 वाहनों पर जुमार्ना लगाया गया। साथ ही स्कूल परिसर में 21 स्कूली वाहनों की जांच की गई, जिसमें एक वाहन का चालान भी काटा गया।यह कार्यक्रम सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

केक काटकर मनाया पूर्व मुख्यमंत्री बहन कुमारी मायावती का 70वा जन्मदिन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्षा उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बहन कुमारी मायावती के70वें जन्मदिन के अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष महेश गौतम के आवास पर केक काटकर उनकी दीघार्यु की कामना करते हुए बसपा के समर्थको एवं कार्यकर्ताओ ने संकल्प लिया कि परम आदरणीय बहन कुमारी मायावती को 2027 में पांचवीं बार मुख्यमंत्री अवश्य बनाएंगे पूर्व जिला अध्यक्ष महेश गौतम ने कार्यकताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इतनी

कड़ाके की ठंड में भारी संख्या में लोगों ने मुरादाबाद अंबेडकर पार्क पर पहुंचकर बहन को शुभकामनाएं प्रेषित की और उनकी दीघार्यु की कामना की कार्यकताओं ने अपने विचार व्यक्त किये इस अवसर पर बी बी एफ के जिला संयोजक विजेंद्र सिंह बामसेफ के पूर्व जिला संयोजक मास्टर हीरा सिंह शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष फारूक अहमद विधानसभा सचिव स्मरपाल सिंह मास्टर अमरजीत सिंह मास्टर हर स्वरूप सिंह मास्टर हरिराम सिंह मास्टर नरेंद्र सिंह श्री अनिल कुमार शोभित सिंह सेक्टर अध्यक्ष सुरेश गौतम सेक्टर अध्यक्ष अश्वनी कुमार उर्फ भोला सेक्टर अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह भारती सेक्टर अध्यक्ष देवेंद्र सिंह सभासद पति राजेश कुमार सेक्टर अध्यक्ष सत्यवान सिंह सेक्टर अध्यक्ष मास्टर रामलाल सिंह सिंह दीपू सिंह हरपाल सिंह भगवत शरण कुंवर सिंह सत्यपाल सिंह महाराम सिंह व अन्य तमाम ब. स. पा. कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लायंस क्लब धनौरा द्वारा वृद्ध आश्रम में राहत सामग्री का वितरण

कंबल,शॉल एवं खाद सामग्री का किया गया वितरण

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में लायंस क्लब धनौरा परिवर्तन ने वृद्ध आश्रम और कुष्ठ आश्रम में सेवा कार्य का आयोजन किया। क्लब के सदस्यों ने बुजुर्गों और जरूरतमंदों के साथ समय बिताया और उन्हें राहत सामग्री वितरित की।क्लब की तरफ से वृद्धों और कुष्ठ रोगियों को कड़ाके की ठंड से बचाने के लिए कंबल, शॉल, मोजे और टोपी वितरित की गई। इसके अतिरिक्त, खिचड़ी, दालें, चावल, आटा और अन्य दैनिक उपयोग की खाद्य सामग्री भी प्रदान की गई।इस अवसर पर मेल्विन जोंग का जन्मदिन बुजुर्गों के साथ केक काटकर मनाया गया। सभी ने साथ मिलकर चाय-नाश्ता किया और बुजुर्गों के अनुभव सुने। आगामी शिवरात्रि पर्व के लिए कुष्ठ आश्रम को नकद सहायता राशि भी दी गई।क्लब की अध्यक्ष कल्पना शर्मा ने बताया कि उनके क्लब का मुख्य उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि वृद्ध आश्रम में जाकर यह महसूस हुआ कि बच्चों को ऐसे संस्कार देने की आवश्यकता है, ताकि वे अपने बुजुर्गों का सम्मान करें और किसी भी माता-पिता को वृद्ध आश्रम न जाना पड़े।इस सेवा कार्य में सुधा शर्मा, सिम्मी अग्रवाल, सीमा यादव, चित्रा गर्ग, अलका और बबीता सिंह सहित क्लब के अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में सदस्यों ने बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया और जल्द ही दोबारा आने का वादा किया।

बछरायूं थाने में साप्ताहिक परेड का आयोजन, थाना प्रभारी ने कराया शस्त्रों का अभ्यास

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश पर अपराधियों पर नकेल कसने और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पुलिस विभाग पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में शुक्रवार को थाना बछरायूं परिसर में थाना प्रभारी कुलदीप तोमर के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों की साप्ताहिक परेड का आयोजन किया गया।भीषण ठंड और घने कोहरे के बावजूद पुलिस कर्मियों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। परेड के दौरान थाना प्रभारी ने सबसे पहले जवानों की वर्दी और अनुशासन का निरीक्षण किया। इसके बाद आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए शस्त्रों के संचालन का गहन अभ्यास कराया गया।इस दौरान शस्त्रों की जांच करते हुए थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने जवानों को राइफल, पिस्टल और अन्य दंगारोधी उपकरणों को खोलने, जोड़ने और उनके सुरक्षित रखरखाव के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने निर्देश दिए कि शस्त्रों का उपयोग करते समय सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए, ताकि किसी भी विपरीत परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके।परेड के अंत में थाना प्रभारी ने पुलिस कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र में घने कोहरे के कारण रात्रि गश्त बढ़ाई जाए। उन्होंने डायल 112 और बीट आरक्षियों को विशेष रूप से सतर्क रहने तथा आम जनता के साथ शालीन व मददगार व्यवहार करने के निर्देश भी दिए।इस अवसर पर मुख्य रूप से उप निरीक्षक चंद वीर सिंह, उपनिरीक्षक लोकेंद्र कुमार, उप निरीक्षक जुगल किशोर, उप निरीक्षक विपिन तोमर, हेड मोहर्रिर सुनील यादव, कॉन्स्टेबल क्लर्क सुनील, मुनाजिर खान, महिला हेड कॉन्स्टेबल पारुल चौधरी और महिला कॉन्स्टेबल मीनू खान सहित थाने का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

यूपी एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट मिनिस्ट्रीयल सर्विसेज एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी गठित

अमरोहा(सब का सपना):- शुक्रवार को यू०पी० एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट मिनिस्ट्रीयल सर्विसेज एसोसिएशन, जनपद अमरोहा की कार्यकारिणी के गठन को लेकर चौधरी चरण सिंह सभागार, कार्यालय जिला कृषि अधिकारी अमरोहा में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता निर्वाचन अधिकारी आनन्द कुमार, अवर अभियंता, कार्यालय उप कृषि निदेशक अमरोहा ने की। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे। इसके उपरांत सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का

निर्विरोध चयन किया गया। चयनित पदाधिकारियों में अध्यक्ष हिमांशु यादव (वरिष्ठ सहायक) महामंत्री दिनेश कुमार शर्मा (प्रधान सहायक) संरक्षक अरविन्द कुमार सोम (प्रधान सहायक) उपाध्यक्ष-1 अमित कुमार (वरिष्ठ सहायक उपाध्यक्ष-2 वन्दना वर्मा (वरिष्ठ सहायक) संयुक्त मंत्री वन्द्रवीर शर्मा (वरिष्ठ सहायक) कोषाध्यक्ष नितिन वर्मा (कनिष्ठ सहायक) संगठन मंत्री गुरुवचन सिंह (कनिष्ठ सहायक) कार्यालय मंत्री राज कुमार (वरिष्ठ सहायक) ऑडिटर सुधीर कुमार शामिल हैं । (वरिष्ठ सहायक) कार्यकारी सदस्य के रूप में–अमित कुमार (कनिष्ठ सहायक), विनय कुमार (कनिष्ठ सहायक), पवन कुमार (कनिष्ठ सहायक) एवं राजीव कुमार (वरिष्ठ सहायक) को शामिल किया गया। बैठक के अंत में सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी गईं और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया गया

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यों एवं योजनाओं की बैठक हुई सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यक्रमों एवं योजनाओं, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम और जनपद में निमार्णाधीन 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर फीड होने वाले समस्त आंकड़ों को समयबद्ध एवं सटीक रूप में अपडेट किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की प्रगति में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, यह

सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने राशन कार्ड, आवास, आयुष्मान कार्ड, शौचालय, सुमंगला योजना आदि की सूची को तेजी के साथ वेरीफाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देश है कि सूची वेरीफाइड हो और पात्र व्यक्ति को लाभ मिले जो अपात्र हैं उनके नाम काटे जाएं। उन्होंने जीरो पावर्टी में चयनित परिवारों को आवास, राशन, पेंशन, आयुष्मान कार्ड और गैस कनेक्शन सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए। इसके साथ परिवारों के होने वाले पुनः सत्यापन को शीघ्रता से करने के निर्देश दिए। मनरेगा के अंतर्गत महिलाओं को विशेष रोजगार का अवसर प्रदान करते हुए अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों को समय से पूरा कराया जाए। इसके साथ ही सभी कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे कार्यों की परियोजनावार समीक्षा कर गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। इसी के साथ पूर्ण परियोजनाओं को सीएमआईएस पोर्टल पर भी अपलोड किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाएं कार्य को प्राथमिकता दें और तेजी लाकर उसे पूर्ण करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्य में मानकों का पूर्ण ध्यान रखा जाए, कोई लापरवाही न हो और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। इसके साथ उन्होंने बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, पिछड़ा वर्ग विभाग की योजना एवं परियोजनाओं, राष्ट्रीय वृद्धावस्था योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजना एवं कृषि विभाग की योजना की विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी पुनीत कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी, सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी और कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को ओ0टी0टी0 के संबंध में बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को ओ0टी0टी0 (वन ट्रिलियन डॉलर) के संबंध में बैठक आयोजित की गई। जिला अधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए की अपने-अपने विभागों से कार्य करें जिससे आय बड़े और प्रदेश की इकोनॉमी में बढ़ोतरी हो जब हमारे प्रदेश की इकोनॉमी बढ़ेगी तभी हम विकसित उत्तर प्रदेश बना पाएंगे। जिलाधिकारी ने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए तिलहन, दलहन और चावल के प्रोडक्शन कम होने की जानकारी ली उन्होंने कहा हमें किसानों को जागृत करे। जिलाधिकारी ने कहा कि जो पोर्टल पर है वह वास्तविक स्थिति है अथवा नहीं इसलिए सभी

पोर्टल पर अपने कार्यालय के डाटा को मैच कर लें इसके लिए अपने-अपने निदेशालय से संपर्क कर डाटा को प्राथमिकता के साथ ठीक कर लें। उन्होंने कहा कि आगामी बैठक में हमें अपने-अपने विभागों से इकोनॉमी को कैसे बढ़ाए कैसे प्रमोट करें इसके लिए विस्तृत चर्चा की जाएगी। उन्होंने मिल्क प्रोडक्शन, पंजीकृत कारखाने की जानकारी, उद्योग, विद्युत, निर्माण क्षेत्र, आवास विकास, व्यापार एवं निर्यात, पर्यटन, परिवहन व बैंक आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अफसर पर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी पुनीत कुमार, लीड बैंक मैनेजर आदि सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

धोखाधड़ी कर माल बेचने वाले दो सगे भाई गिरफ्तार, लाखों की नकदी बरामद

चावल से भरा ट्रक गायब करने का बहजोई पुलिस ने किया खुलासा

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में चावल से भरा ट्रक गायब होने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चावल बेचकर प्राप्त किए गए 10 लाख 30 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं, जबकि घटना में शामिल तीसरे अभियुक्त की तलाश जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित लौकेश पुत्र द्वारिकाधीश, निवासी काली मंदिर रोड, ऊपरकोट बहजोई ने 1 दिसंबर को थाना बहजोई में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि उनकी फर्म श्याम ऑयल एंड राइस मिल से उमाम ट्रांसपोर्ट एजेंसी, सम्भल के माध्यम से एक ट्रक में 60 किलोग्राम वजन के 888 कट्टे चावल (कुल वजन लगभग 533 कुंतल), अनुमानित कीमत करीब 17 लाख रुपये, गणपति ओवरसीज धान्ड रोड उसमानपुर, कुरुक्षेत्र (हरियाणा) भेजे गए थे। लेकिन ट्रक अपने गंतव्य तक नहीं पहुंचा। पीड़ित द्वारा ट्रक

चालक रिहान और ट्रक मालिक कामिल से संपर्क करने का प्रयास किया गया, पर मोबाइल बंद मिले। मेरठ स्थित उनके घर जाकर पूछताछ करने पर भी कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद पीड़ित ने धोखाधड़ी की आशंका जताते हुए थाना बहजोई में मुकदमा दर्ज कराया। मामले की जांच में थाना बहजोई पुलिस और एसओजी टीम ने ट्रक के संभावित मार्गों और टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा सर्विलांस के जरिए मोबाइल नंबर ट्रैक किए। जांच के दौरान अभियुक्त रिहान और कामिल पुत्र बाबर, निवासी मेरठ को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से चावल बेचकर प्राप्त 10.30 लाख रुपये नकद बरामद हुए। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने साथी कादिर के साथ मिलकर पूर्व नियोजित साजिश के तहत चावल को बेच दिया था। मुकदमे से बचने के लिए ट्रक को खुर्द-बुर्द कर दिया गया। ट्रक का पिछला हिस्सा (ट्रॉला) अभियुक्तों की निशानदेही पर चौधरी होटल, कस्बा बनत, थाना आदर्श मंडी, जनपद शामली से बरामद किया गया है। ट्रक को कादिर अपने साथ ले गया, जिसकी तलाश की जा रही है। अभियुक्तों ने बताया कि ट्रक की किस्तें बकाया थीं और परिवार में बहन की शादी के कारण पैसों की जरूरत थी। इसी कारण उन्होंने माल को गंतव्य तक न पहुंचाकर खुद व्यापारी बनकर यमुनानगर (हरियाणा) में चावल बेच दिया और आपस में रकम बांट ली।

पुलिस के अनुसार अभियुक्त लंबे समय से ट्रांसपोर्टरों का विश्वास जीतकर इसी तरह वारदात को अंजाम देते थे। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है तथा फरार अभियुक्त कादिर की तलाश की जा रही है।

महिलाओं एवं बलिकाओं को वितरित किये गये पम्पलेट हेल्पलाइन नम्बरों से कराया अवगत

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं, बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों,कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

शादी के बर्तन लेकर गायब हुआ युवक, सोशल मीडिया पर फोटो वायरल:- लोग तलाश में जुटे

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- इन दिनों सोशल मीडिया पर एक दिलचस्प और हैरान कर देने वाली सूचना तेजी से वायरल हो रही है। वायरल पोस्ट में एक युवक का फोटो साझा करते हुए लोगों से पहचान और जानकारी देने की अपील की जा रही है। मामला मोहल्ला कस्बा स्थित मियां वाली मस्जिद से जुड़ा बताया जा रहा है, जहां से युवक शादी के नाम पर बर्तन ले गया, लेकिन तय समय बीत जाने के 15 दिन बाद भी बर्तन वापस नहीं किए गए। वायरल संदेश के अनुसार युवक ने अपना नाम अदनान बताया था। बताया जा रहा है कि युवक 30 दिसंबर को शादी का हवाला देकर

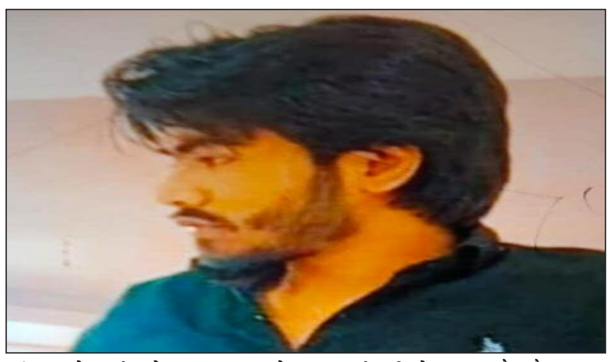

मस्जिद से बर्तन ले गया था। जाते समय उसने एक मोबाइल नंबर भी लिखवाया ताकि जरूरत पड़ने पर संपर्क किया जा सके। लेकिन हैरानी की बात यह है कि उसी नंबर पर लगातार संपर्क करने के बाद भी संपर्क नहीं हो पा रहा है और युवक का कोई सुराग नहीं मिल पा रहा है। बर्तन न लौटाए जाने और संपर्क न हो पाने के बाद मामला अब चर्चा का विषय बन गया है। मस्जिद से जुड़े लोग और स्थानीय नागरिक युवक की तलाश में सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। व्हाट्सऐप और फेसबुक पर युवक की फोटो के साथ अपीलें साझा की जा रही हैं, ताकि कोई उसे पहचान सके या उसके बारे में जानकारी दे सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि मामला भले ही बर्तनों का हो, लेकिन इस तरह विश्वास तोड़कर गायब होना चिंता का विषय है। लोग उम्मीद जता रहे हैं कि युवक स्वयं सामने आएगा या कोई उसकी सही जानकारी उपलब्ध कराएगा। फिलहाल स्योहारा में यह मामला लोगों के बीच चर्चा और जिज्ञासा का विषय बना हुआ है, और सोशल मीडिया ह्लखोज अभियानह्व में तब्दील हो चुका है।

एस आई आर संबंधी कार्यों की समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जनपद सम्भल हेतु विशेष रोल प्रेक्षक के रूप में नियुक्त निखिल गजराज (आईएएस) संयुक्त सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय नई दिल्ली की अध्यक्षता में विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस आई आर) संबंधी कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विशेष रोल प्रेक्षक द्वारा बताया गया कि यह बैठक जनपद में एस आई आर के अन्तर्गत हुए कार्यों एवं उसके अंतर्गत जो परिणाम आये हैं उसके फीडबैक के लिए इस बैठक का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2003 के बाद हो रहा है जनपद की टीम द्वारा इसके अंतर्गत अच्छा कार्य किया गया है। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया के अन्तर्गत दावे एवं आपत्तियों को लेकर मान्यता प्राप्त

राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से सुझाव भी प्राप्त किये । विशेष रोल प्रेक्षक द्वारा एएसडी सूची तथा प्रोजेनी को लेकर चर्चा की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बूथ लेवल ऐजेंट की सक्रियता को लेकर भी जानकारी प्राप्त की गयी। जनपद में अवस्थित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार मतदेय स्थल एवं मतदान केंद्रों का विवरण (सम्भाजन से पूर्व एवं सम्भाजन के उपरांत) पर चर्चा की गयी संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। फॉर्म 6 के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी तथा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा द्वारा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि बीएलए फॉर्म 6 भर कर दें। विशेष रोल प्रेक्षक द्वारा अपर जिलाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि बीएलओ के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। दावे एवं आपत्तियों से संबंधित नोटिस को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। परिवार रजिस्टर के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी।राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा जनपद में एस आई आर के अन्तर्गत किये कार्यों की सराहना की गयी। सभी राजनैतिक दलों को पुनरीक्षण अभियान में प्राप्त दावे एवं आपत्तियों से संबंधित सूची, फार्म 9,10,11 एवं 11ए तथा 11 बी की प्रतियां उपलब्ध करायी गयीं।जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया ने कहा कि विशेष रोल प्रेक्षक द्वारा जो भी निर्देश दिए गए हैं उनका अक्षरशः पालन किया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा,उप जिलाधिकारी चंदौसी /ईआरओ आशुतोष तिवारी, उप जिलाधिकारी गुन्नौर/ ईआरओ अवधेश कुमार एवं डिप्टी कलक्टर निधि पटेल एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं तहसीलदार/ एईआरओ एवं भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू, सपा जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी, जिलाध्यक्ष कांग्रेस मौ. आरिफ, जिलाध्यक्ष आम आदमी पार्टी सचिन कुमार, जिला महामंत्री युवा मोर्चा भाजपा सौरभ गुप्ता, एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने शहरी बेघरों के आश्रय गृह का किया निरीक्षण प्रचार-प्रसार बढ़ाने के दिए निर्देश

सम्भल(सब का सपना):- शुक्रवार को जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने नगर पालिका परिषद सम्भल क्षेत्र में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित 51 शहरी बेघरों हेतु आश्रय गृह, तिकोनिया पार्क, सम्भल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आश्रय गृह में की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने अलाव की व्यवस्था, साफ-सफाई, पुरुष एवं महिलाओं के लिए अलग-अलग ठहरने की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे तथा आश्रय गृह में आने वाले लोगों की संख्या और सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए नगर पालिका परिषद के प्रयासों की सराहना की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी डॉ. मणि भूषण तिवारी को निर्देशित किया कि आश्रय गृह का सोशल मीडिया, साइनएज तथा अन्य प्रचार माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि शीतलहर और कड़ाके की सर्दी के मद्देनजर अधिक से अधिक जरूरतमंद लोग यहां आकर सुरक्षित रूप से ठहर सकें। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने दुर्गा कॉलोनी के पास स्थित भूमि का भी निरीक्षण किया तथा राजस्व टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर तहसीलदार सम्भल धीरेंद्र सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सम्भल डॉ. मणि भूषण तिवारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हज 2026 में बड़े बदलाव, हाजियों को नहीं मिलेगी कैटरिंग की सुविधा

गंभीर बीमारी वाले हज पर नहीं जा सकेंगे : तक अशरफ एडवोकेट

सम्भल(सब का सपना):- हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा हज हाउस मुंबई में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में हज 2026 को लेकर कई महत्वपूर्ण बदलावों की जानकारी दी गई। ज़िला हज ट्रेनर तकी अशरफ एडवोकेट ने बताया कि सऊदी सरकार द्वारा इस बार हज यात्रा को लेकर कड़े नियम लागू किए गए हैं, जिनका पालन सभी हाजियों को करना होगा।

तकी अशरफ एडवोकेट ने बताया कि इस बार मक्का शरीफ की अजीज़िया बिल्डिंग्स में खाना पकाने की अनुमति नहीं होगी। होटल में किसी प्रकार की किचन सुविधा नहीं दी जाएगी और न ही हज कमेटी की ओर से कैटरिंग की व्यवस्था होगी। हाजियों को होटल या बाहर से खाना खरीदकर स्वयं व्यवस्था करनी होगी। सुरक्षा कारणों से यह निर्णय लिया गया है, हालांकि इससे हाजियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। हज ट्रेनर उम्मे हबीबा ने

जानकारी दी कि इस बार मर्द और औरतें एक ही कमरे में नहीं ठहर सकेंगे। पहले एक साथ जाने वाली महिलाएं एक कमरे में रुकती थीं, लेकिन अब उन्हें अलग-अलग कमरों में रहना होगा। कोशिश रहेगी कि सभी को एक ही होटल और संभव हो तो एक ही फ्लोर पर ठहराया जाए। हज ट्रेनर हाजी मुहम्मद नदीम ने बताया कि मिना में इस बार टेंटों में हर हाजी को सोफा-कम-बैड दिया जाएगा, जिस पर हाजी का नाम, फोटो और अन्य विवरण अंकित होगा। पहले केवल गद्दों की व्यवस्था होती थी। हज ट्रेनर मुहम्मद अहमद रजा ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया की ओर से इस बार हर हाजी को स्मार्ट वॉच दी जाएगी, जो हज सुविधा ऐप से जुड़ी होगी। इस ऐप में हाजी की पूरी जानकारी, मैप, ज़ियारत और रडर जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी, जिससे हाजियों को काफी सहूलियत मिलेगी। हज ट्रेनर डॉक्टर इफ़्तेखार अहमद ने बताया कि हज पर जाने से पहले सभी हाजियों का मेडिकल चेकअप अनिवार्य होगा। गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को हज पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसमें डायलिसिस पर चल रहे किडनी मरीज, हार्ट फेल्योर, ऑक्सीजन पर निर्भर फेफड़ों की बीमारी, गंभीर लीवर रोग, न्यूरोलॉजिकल डिमेंशिया, गर्भावस्था के अंतिम तीन माह, टीबी, हैमरेजिक फीवर और कैंसर के मरीज शामिल हैं। हज प्रशिक्षक अब्दुल खालिक ने बताया कि इस बार सम्भल ज़िले से 438 लोगों ने हज के लिए आवेदन किया था, जिन सभी का चयन हो गया है। हाजियों को नए नियमों की जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा और यात्रा से पहले वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन भी किया जाएगा। सम्भल ज़िले में हाजियों की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए अब्दुल खालिक, तकी अशरफ एडवोकेट, हाजी मुहम्मद नदीम, मुहम्मद अहमद रजा, उम्मे हबीबा और डॉक्टर इफ़्तेखार अहमद को हज ट्रेनर नियुक्त किया गया है।

हाफिजाबाद बिहारीपुर में वॉलीबॉल टूनार्मेंट का शुभारंभ

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम हाफिजाबाद बिहारीपुर में आयोजित वॉलीबॉल टूनार्मेंट का भव्य शुभारंभ गुरुवार को उत्साह और खेल भावना के साथ किया गया। टूनार्मेंट का उद्घाटन विश्वकर्मा महासभा के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य वार्ड संख्या 43 से संभावित प्रत्याशी डॉ. नितिन शर्मा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर डॉ. नितिन शर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और कहा

कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम हैं। खेल न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करते हैं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को मंच देने के लिए ऐसे आयोजनों को सराहनीय बताया और आगे भी हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। टूनार्मेंट में आसपास के गांवों की कई टीमों ने भाग लिया। उद्घाटन मुकाबले में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया। खेल मैदान पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों और खेल प्रेमियों की मौजूदगी रही, जिससे आयोजन का माहौल उत्सवमय बना रहा। कार्यक्रम में आयोजक समिति के सदस्य, ग्राम प्रधान, क्षेत्र के गणमान्य लोग, समाजसेवी एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर खेल भावना को बढ़ावा देने और ऐसे आयोजनों को निरंतर आयोजित करने पर जोर दिया।

भाकियू (बीआरएसएस) द्वारा जन जागरण के तहत बैठक का किया गया आयोजन

पात्रों को नहीं मिल पा रहा सरकारी योजनाओं का लाभ:- कामेन्द्र चौधरी

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा ग्राम हिसामपुर में शुक्रवार को जन जागरण अभियान के तहत बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का नेतृत्व चौ. ऋषिपाल सिंह ने किया, जबकि अध्यक्षता सेवक सैनी एवं संचालन निर्देश कुमार उर्फ मोनू ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि सरकार किसान और आम जनता के हित में सराहनीय योजनाएं चला रही है, लेकिन जनपद स्तर पर फैले प्रशासनिक भ्रष्टाचार के कारण पात्र लोगों को इन योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। इससे किसान और आम जनमानस निराश हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की एकमुश्त समाधान योजना अव्यवहारिक साबित हो रही है, क्योंकि आधे से अधिक उपभोक्ता इससे वंचित हैं। विद्युत मीटरों द्वारा गलत बिल जारी किए जा रहे हैं, जिससे जनता को गुमराह किया

जा रहा है, इसमें तत्काल सुधार आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि आवास योजना, राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन और विधवा पेंशन जैसी योजनाओं में भी व्यापक अनियमितताएं हैं। पात्र लोग लाभ से वंचित हैं, जबकि अपात्र लाभ उठा रहे हैं। तहसील स्तर पर फैले भ्रष्टाचार के कारण प्रमाण पत्र बनवाने और वारिसान दर्ज कराने जैसे कार्यों में भी लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं को लेकर संगठन जल्द ही बड़े स्तर पर आंदोलन करेगा। संचालन करते हुए युवा मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार उर्फ मोनू ने बताया कि जन जागरण अभियान का उद्देश्य किसानों की समस्याओं पर चर्चा करना, संगठन का विस्तार करना और किसानों, मजदूरों व शोषितों की आवाज को बुलंद करना है, ताकि वे अपनी समस्याओं से निजात पा सकें। बैठक में संगठन विस्तार करते हुए सुफियान पाशा को जिला मंत्री (अल्पसंख्यक मोर्चा) संभल, मो. हसन को युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष, यूनुस मलिक व जाकिर अली को ग्राम सचिव, मनीष कुमार व बब्बू को ग्राम प्रभारी तथा ताहिर सलमानी को ग्राम सचिव नियुक्त किया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी, जिला सलाहकार सरदार गुरुवचन सिंह, जिला संगठन मंत्री चौ. ऋषिपाल सिंह, जिला महामंत्री (अल्पसंख्यक मोर्चा) इस्माइल खां, जिला महासचिव अनमोल कुमार, जिला मंत्री खेमपाल यादव, तहसील अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह, ब्लॉक महासचिव पवांसा श्रीपाल यादव, तहसील महासचिव राजीव कुमार उर्फ बाबूजी, तहसील अध्यक्ष (अल्पसंख्यक मोर्चा) मेहंदी हसन, ब्लॉक अध्यक्ष (अल्पसंख्यक मोर्चा) डॉ. वसीम सहित बड़ी संख्या में किसान एवं महिला मोर्चा की पदाधिकारी मौजूद रहीं। बैठक में सैकड़ों किसानों की भागीदारी रही।

ग्राम सभा चौपाल का आयोजन, जनकल्याण योजनाओं पर हुई चर्चा

हसनपुर/अमरोहा(सब का सपना):- शुक्रवार को जनपद अमरोहा की हसनपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत आदमपुर में ग्राम सभा चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख गंगेश्वरी राजेंद्र सिंह खड़कवंशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्रा ने भी चौपाल में सहभागिता की। चौपाल में जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया, बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता, खंड विकास अधिकारी अश्विनी कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार, सहायक विकास अधिकारी नितिन कुमार जैन, ग्राम प्रधान पति रमेश सैनी, ग्राम पंचायत अधिकारी विदित यादव, सचिव धर्मपाल सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य सितारा सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। ग्रामीणों को स्वच्छता, शिक्षा, बिजली, पेयजल, आवास योजना एवं पंचायत विकास से संबंधित विषयों पर जागरूक किया गया। अधिकारियों ने संबंधित समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन भी दिया। चौपाल में कपिल कुमार यादव, कपिल कुमार सैनी, मुनासिर अली, सुमित कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी, अधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और ग्राम स्तर पर पारदर्शी विकास को बढ़ावा देना रहा।

संस्कृति उत्सव का सफल आयोजन लोक कला, संगीत व नृत्य में प्रतिभाओं ने दिखाया हुनर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- शुक्रवार को हीरा देवी तोताराम कन्या इंटर कॉलेज, बहजोई में उत्तर प्रदेश पर्व झ्र हमारी संस्कृति हमारी पहचान के अंतर्गत संस्कृति उत्सव 2025झ्र 26 का भव्य आयोजन किया गया। इस उत्सव का उद्देश्य उत्तर प्रदेश की शास्त्रीय, उप-शास्त्रीय संगीत परंपराओं, लोक संगीत एवं लोक नाट्य से जुड़े कलाकारों की पहचान कर उन्हें मंच प्रदान करना और प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद स्तर पर स्थानीय संस्कृति, लोक कला, लोक गीत एवं लोक नृत्य से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। लोक नृत्य प्रतियोगिता में खुशी एवं नंदिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मिष्टी ग्रुप द्वितीय स्थान पर रहा। एकल नृत्य प्रतियोगिता में नंदिनी कुशवाहा ने प्रथम, आयुषी ने द्वितीय तथा अर्पित ठाकुर ने तृतीय स्थान हासिल किया। लोक वादन प्रतियोगिता में उमेश कुमार (काशीपुर), हिमांशी एवं जयश्री ने प्रतिभाग किया, जबकि लोक गायन में शिवानी दीक्षित, नैंसी और मोहिनी शर्मा ने अपनी प्रस्तुति दी। समूह गायन प्रतियोगिता में सरस्वती कन्या जूनियर विद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। हीरा देवी तोताराम कन्या इंटर कॉलेज, बहजोई ने द्वितीय तथा बाबूराम सिंह इंटर कॉलेज, बबराला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी मंजू दिलेर, पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यालय की प्रधानाचार्य आशा देवी चौहान ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत एवं सम्मान किया। प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका सुधा राय, नूतन एवं ममता रानी ने निभाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन से विद्यालय परिसर में सांस्कृतिक उत्साह और लोक परंपराओं के संरक्षण का संदेश देखने को मिला।

स्योहारा में अखिल भारतीय किसान सभा का धरना, 6 सूत्री मांगपत्र सौंपा

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- अखिल भारतीय किसान सभा एवं संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर देशव्यापी आंदोलन के तहत शुक्रवार को खंड विकास अधिकारी कार्यालय स्योहारा पर धरना-प्रदर्शन किया गया। धरने में बड़ी संख्या में किसानों, मजदूरों और सामाजिक संगठनों के लोगों ने भाग लिया। इस दौरान बुलंदशहर के साथी सीआईटीयू के जिला अध्यक्ष एवं माकपा जिला कमेटी सदस्य कॉमरेड सुरेशचंद्र को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। धरने के बाद राष्ट्रपति को संबोधित छह सूत्री मांगपत्र खंड विकास अधिकारी स्योहारा को सौंपा गया। मांगपत्र में बीज विधेयक 2025 को समाप्त करने, चार श्रम कोड विधेयक खत्म कर पुराने श्रम कानून लागू करने, बीजी रामजी कानून समाप्त कर मनरेगा कानून को पुनः बहाल करने की मांग प्रमुख रही। इसके अलावा मुरादाबाद, मेरठ, बिहार सहित अन्य स्थानों पर मुसलमानों, दलितों व मेहनतकशों पर हुए अत्याचारों के दोषियों को कड़ी सजा देने और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की गई। बुलडोजर नीति को पूरी तरह बंद करने की भी मांग उठाई गई। धरने की अध्यक्षता लइक खान ने की। धरने में कॉमरेड इंदर कुमार शर्मा, जरीफ अहमद, इसरार अली, मशकूर एडवोकेट, कन्हैया सिंह, मतलूब, जलील, जमील अहमद, हरिसिंह, राजवीर सिंह, भूरे सिंह, रामचंद्र, वीर सिंह, फरीद अहमद, मोहम्मद तय्यब, जमील उर्फ छोटे, अब्दुल हमीद सहित कई लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सेवायोजन का सात दिवसीय शिविर प्रारंभ

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय सेवा योजना आरएसपी इंटर कॉलेज शाखा का सात दिवसीय शिविर ग्राम मंडोरी के प्राइमरी विद्यालय में शुक्रवार को शुरू हुआ। प्रथम दिन मुख्य अतिथि आरएसपी इंटर कॉलेज के जीव विज्ञान प्रवक्ता के पी पुष्पक ने स्वयं सेवकों और सेविकायों को सफाई, स्वच्छता, बीमारी और रोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर खेल अध्यापक विजेंद्र सिंह, भूगोल अध्यापक वीरेंद्र कुमार, प्रेमा साहिल, राजीव चौहान आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर एनएसएस अधिकारी रामसेवक ने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वह ग्राम में घर-घर घूम कर ग्रामीणों को स्वच्छता के बारे में विस्तार से बताएं। प्रथम दिन स्वयंसेवकों ने ग्राम में रैली भी निकाली। इस मौके पर प्रधानाचार्य मधुबाला शर्मा ने भी शिविर में पहुंचकर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया।

राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन द्वारा किया जायेगा निशुल्क उपकरणों का वितरण-- एम आर पाशा

बिजनौर/बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के संस्थापक / राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा ने प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि दिव्यांग वृद्ध विधवा,,युवा गरीब-मजदूर आदि के लिए निशुल्क उपकरणों का कैम्प का आयोजन 17 जनवरी 2026 को आयोजन किया जाएगा जिसमें निशुल्क सिलाई मशीन, कंबल, रजाई, ट्राई साइकिल, व्हील चेयर, वैशाखी,कैलिपर्स आदि का विशाल वितरण कार्यक्रम का आयोजन दिव्यांग, गरीब, जरूरतमंद, वृद्ध, विधवा आदि को निशुल्क वितरण किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा ने कहा कि हमारा संगठन हर वर्ष जनवरी माह में विशाल कार्यक्रम जैसे सिलाई मशीन, कंबल, लिहाफ,ट्राई साइकिल व्हीलचेयर, कैलिपर्स, वैशाखी, आदि का विशाल निशुल्क वितरण किया जाता है। इस वर्ष भी विशाल कार्यक्रम का आयोजन आज 17 जनवरी 2026 को पार्कर पब्लिक स्कूल बुढ़नपुर में सुबह 10 बजे किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा ने सभी दिव्यांग वृद्ध विधवा युवा गरीब-मजदूरों आदि से अपील कि सभी समय से पहुंच कर निशुल्क सिलाई मशीन, कंबल, रजाई , ट्राई साइकिल, व्हील चेयर, वैशाखी, कैलिपर्स आदि का लाभ उठाए।

किसानों ने कलेक्ट्रेट में किया विरोध प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

बिजनौर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के कलेक्ट्रेट में सैकड़ो की तादात में पहुंचे किसान यूनियन लोकशक्ति के कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया है गन्ना क्रय केंद्रों पर हो रही घटतोली और ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई करने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया है। बिजनौर की जिलाधिकारी जसजीत कौर को मांगों को लेकर ज्ञापन दिया। जिला अध्यक्ष चौधरी वीर सिंह सहरावत ने बताया कि शुगर मिलों और उनके क्रय केंद्रों पर गन्ने की धटतौली की जा रही है। और तानाशाही का आलम है और सड़कों पर गन्ने से भरे ओवरलोड वाहन ट्रक राहगीरों की जान माल का खतरा बनकर दौड़ रहे हैं। इन सभी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी जसजीत कौर बिजनौर को दिया गया है।

सामाजिक कुरीतियां और अंधविश्वास समाज की प्रगति में सबसे बड़ी बाधक

हल्दौर/बिजनौर (सब का सपना):- आरएचएस इंटर कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय के चतुर्थ दिवस शुक्रवार को शिविर में नशा मुक्त, कुरीति मुक्त एवं जागरूक समाज निर्माण की शपथ दिलाई गई। राजा हरवंश सिंह इंटर कॉलेज हल्दौर बिजनौर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गांव कूकड़ा इस्लामपुर में नशा मुक्ति एवं सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के उद्देश्य से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत जागरूकता रैली, भाषण, पोस्टर प्रदर्शन, समूह चर्चा तथा घर-घर जाकर जनसंपर्क अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों के प्रति जागरूक कर एक स्वस्थ, सशक्त एवं संस्कारित समाज निर्माण करना रहा। रैली के माध्यम से संदेश दिया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज को भी बबार्दी की ओर ले जाता है। जयपाल सिंह ने कहा कि नशा समाज की सबसे बड़ी बुराइयों में से एक है, जो युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल देता है। शिक्षक प्रवेन्द्र कुमार ने कहा कि सामाजिक कुरीतियां जैसे दहेज प्रथा, बाल विवाह और अंधविश्वास समाज की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा हैं। इन कुरीतियों को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास एवं जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम अधिकारी मणिकांत कुमार ने कहा कि कहा कि नशा मुक्त समाज तभी बन सकता है जब युवा स्वयं जागरूक होकर दूसरों को भी जागरूक करें। उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या को समाज पर कलंक बताया। इस अवसर पर उमेश चन्द्र गहलौत,पवित्र कुमार, अवनीश कुमार, रजनीश कुमार, वंदना आदि मौजूद रहे।

ओमप्रकाश शर्मा की पुण्यतिथि पर आरजेपी में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा की पांचवीं पुण्यतिथि पर राजा ज्वाला प्रसाद आर्य इंटर कॉलेज बिजनौर में उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य बिशनलाल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों ने ओम प्रकाश शर्मा को शिक्षक समाज का सबसे बड़ा हितैषी और मसीहा बताते हुए कहा कि उनके अद्वितीय त्याग बलिदान के कारण ही आज शिक्षक समाज गौरवपूर्ण स्थिति में है। जिला अध्यक्ष गय्यूर आसिफ ने कहा कि आज शिक्षकों को मिलने वाला सम्मानजनक वेतन, सुविधापूर्ण जीवनशैली ओम प्रकाश शर्मा जैसे महान शिक्षक हितैषी की ही देन है। आसिफ ने वेतन वितरण अधिनियम को ओपी शर्मा की सबसे बड़ी देन बताया और कहा कि दीन हीनअवस्था में गुलामी जैसी दशा में फंसा हुआ शिक्षक आज यदि सम्मानजनक स्थिति में है तो उसका संपूर्ण श्रेय ओमप्रकाश शर्मा और उनके सहयोगियों को जाता है। प्रधानाचार्य कैप्टन बिशनलाल ने कहा कि हम सब का दायित्व है कि हम शिक्षकों के लिए अपना सब कुछ निछावर कर देने वाले ओपी शर्मा जी को याद रखें और आने वाली पीढ़ी को उनके योगदान उनके समर्पण और त्याग के विषय में बताते रहें। सुधांशु वत्स ने कहा कि जिस समय ओपी शर्मा ने संगठन की बुनियाद रखी उस समय शिक्षकों को हीन भावना से देखा जाता था। आठ बार निरंतर शिक्षक विधायक रहे शर्मा जी ने सदन में शिक्षकों की छोटी से छोटी समस्या को सरकार के समक्ष रखा और आज की गौरवपूर्ण स्थिति में शिक्षकों को लाने का संपूर्ण श्रेय उन्हीं का है। विशाखा अध्यक्ष ने भूपेंद्रपाल सिंह ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि नए शिक्षकों को संगठन के इतिहास को पढ़ना चाहिए और स्वर्गीय ओम प्रकाश शर्मा जैसे महानुभावों के त्याग बलिदान के महत्व को समझते हुए संगठन की मजबूती के लिए अपना भरसक प्रयास करना चाहिए।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष भूपेंद्र पाल सिंह शाखा मंत्री तेजपाल सिंह सुधीर कुमार बृजेश कुमार सुभाष बाबू सत्य प्रकाश गंगवार बालेश कुमार नरेंद्र सिंह मोहम्मद अनस वीरेंद्र कुमार मनोज यादव विनोद यादव चंद्रहास करणवीर सिंह अलका रानी प्रदीप कुमार सिंह भोलानाथ रश्मि चौहान लक्षेश कुमार जितेंद्र पाल विनीत कुमार नरेश कुमार जयप्रकाश कुमार चौहान पुष्पेंद्र कुमार छवि गर्ग राजेंद्र सिंह अनुराग भारद्वाज निर्मला यादव आदि शिक्षक शिक्षिकाओं ने ओपी शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन धामपुर की कार्यकारिणी का किया गया गठन

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के कोतवाली रोड स्थित परवेज दानिश के कार्यायल पर शुक्रवार को आयोजित बैठक में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला महामंत्री देवेंद्र चौधरी एवं संजय कुमार शर्मा की देखरेख में तहसील धामपुर की कार्यकारिणी का गठन किया गया। गठित कार्यकारिणी में महेश शर्मा को संरक्षक तथा इंदर सिंह चौहान को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उपाध्यक्ष पद पर सुनील कुमार (अफजलगढ़), रवि गांधी शर्मा और रियाजुल हक को जिम्मेदारी सौंपी गई। महामंत्री पद पर महकार सिंह तोमर एवं चमन भारद्वाज को मनोनीत किया गया, जबकि मंत्री पद की जिम्मेदारी नरेश गौतम, परवेज दानिश और अनवार अहमद को दी गई। कोषाध्यक्ष पद पर अंकुर गुप्ता तथा ऑडिटर के रूप में डॉ. एके दक्ष को मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में फजल अंसारी, विपिन कुमार, सुनील कुमार, मुकेश कुमार, अगम जैन, डॉ.अशोक शर्मा और सोनी शर्मा को शामिल किया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र चौधरी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं के समाधान और पत्रकारिता की मयार्दा को बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करने के लिए कहा। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने और पत्रकार हितों के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

डी.ए.पी. पब्लिक इंटर कॉलेज कादराबाद खुर्द में सात दिवसीय एन.एस.एस. विशेष शिविर का भव्य समापन

स्योहारा/बिजनौर(सब का सपना):- डी.ए.पी. पब्लिक इंटर कॉलेज कादराबाद खुर्द में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन शुक्रवार को भव्य रूप से संपन्न हुआ। समापन के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार डॉ. वीरेंद्र पुष्पक रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. यज्ञदत्त गौड़ व डॉ. विरेंद्र कुमार सिसौदिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एम.एम. सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्योहारा के प्रबंधक आलोक कुमार अग्रवाल, सेवा निवृत्त एस.आई. विश्न कुमार, पत्रकार आकाश तोमर, योगाचार्य राजीव रूहेला सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरोज देवी ने की। वहीं कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं कार्यक्रम संयोजक गजेंद्र पाल सिंह प्रजापति ने अतिथियों का स्वागत करते हुए शिविर की संपूर्ण आख्या प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि सात दिवसीय शिविर के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता, सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य और सेवा भावना से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. विरेंद्र पुष्पक ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रों में सामाजिक उत्तरदायित्व, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे शिविर में सीखी गई बातों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं।

विशिष्ट अतिथि डॉ. विरेंद्र कुमार सिसोदिया व डॉ. यज्ञदत्त गौड़ ने कहा कि एन.एस.एस. के माध्यम से युवाओं को समाज की वास्तविक समस्याओं से रूबरू होने का अवसर मिलता है, जिससे वे संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनते हैं।

कार्यक्रम के दौरान एन.एस.एस. स्वयंसेवकों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्होंने उपस्थित अतिथियों और दर्शकों का मन मोह लिया। अंत में प्रधानाचार्य गजेंद्र पाल सिंह प्रजापति ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, स्वयंसेवकों एवं विद्यालय स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए शिविर के औपचारिक समापन की घोषणा की।

इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नगर पालिका व राजस्व टीम ने शानदार मार्केट के सामने से हटवाया अतिक्रमण

नगर पालिका द्वारा बार-बार कार्यवाही करने के बाद भी बाज आने को तैयार नहीं है आयोजक

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका प्रशासन व राजस्व विभाग की टीम ने पुलिस के साथ धामपुर रोड स्थित एच एम आई इंटर कॉलेज के सामने लग रहे शानदार मार्केट के सामने से अतिक्रमण को हटवाया गया। गौरतलब है कि मोहल्ला शेखान में धामपुर रोड पर एच एम आई इंटर कॉलेज के सामने सप्ताह में दो बार सोमवार व शुक्रवार को बाजार लगाया जाता है । शानदार मार्केट के सामने से अतिक्रमण को हटवाने के लिए शुक्रवार को नायब तहसीलदार,नगर पालिका टीम व पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तथा रोड के किनारे से अतिक्रमण को हटवाया । बताया जाता है कि बाजार से धामपुर रोड पर जाम की स्थिति बनी रहती है और दुर्घटना का खतरा बना रहता है। नगर पालिका द्वारा बार-बार नोटिस लगाने के बाद तथा चेतावनी देने के बाद भी आयोजक बाज नहीं आ रहा है और बार-बार बाजार को लगवाया जा रहा है। ईओ ओम गिरी ने बताया कि में आज मीटिंग में गया था, लेकिन नायब तहसीलदार व पालिका की टीम रोड से अतिक्रमण हटाने के लिए गई थी । इस संबंध में थाना प्रभारी धीरज नागर ने बताया कि नायब तहसीलदार के साथ पुलिस टीम को अतिक्रमण हटवाने के लिए भेजा गया था ।

दिल्ली पुलिस का बड़ा अभियान, द्वारका में तीन कुख्यात अपराधी गिरफ्तार; चोरी का सामान और अवैध हथियार बरामद

पश्चिम दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस ने अपराध रोकने और अपराधियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे एक विशेष अभियान के तहत तीन अलग-अलग ऑपरेशन में बड़ी सफलता हासिल की है। डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने बताया कि अलग-अलग पुलिस टीमों ने चोरों, झपटमारों और अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों को जेल भेज दिया है। मोहन गार्डन थाने की एक टीम ने गश्त के दौरान रनहोला थाने के घोषित अपराधी संजय राठौर उर्फ पारस को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से एक चाकू और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की। पूछताछ के बाद उसकी जानकारी के आधार पर एक और चोरी की मोटरसाइकिल और दो स्कूटर बरामद किए गए। आरोपी पहले से ही 25 से ज्यादा आपराधिक मामलों में शामिल था, और उसकी गिरफ्तारी से इलाके में चोरी और लूट के 8 मामले सुलझ गए हैं। जिला पुलिस के "नो गन्स नो गैंग्स" अभियान के तहत, मोहन गार्डन पुलिस ने एक और ऑपरेशन में उत्तम नगर के रहने वाले अरविंद उर्फ फौजी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से एक देसी पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए। आरोपी के खिलाफ पहले से ही 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस जांच कर रही है कि क्या वह कोई बड़ा अपराध करने की योजना बना रहा था। तीसरे मामले में, द्वारका जिले की एंटी-बर्गर सेल ने द्वारका के रहने वाले एक कुख्यात चोर आकाश उर्फ टल्ला को गिरफ्तार किया। डीसीपी ने बताया कि सेल की टीम इलाके में चोरी की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए सक्रिय अपराधियों के बारे में लगातार जानकारी इकट्ठा कर रही थी। आरोपी टल्ला अपने दो साथियों निखिल और राजू की गिरफ्तारी के बाद से फरार था। पुलिस को सूचना मिली कि वह 15 जनवरी को डस्ट लैंड, सेक्टर-3, द्वारका आएगा, जिसके बाद जाल बिछाकर उसे पकड़ लिया गया। उसके पास से चार चोरी के मोबाइल फोन और एक चोरी की होंडा शाइन मोटरसाइकिल बरामद हुई। टल्ला के खिलाफ पहले से ही चोरी और लूट के 15 मामले दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी के बाद, पुलिस ने बिंदपुर, डाबरी और नजफगढ़ इलाकों में चोरी और सेंधमारी के 9 मामले सुलझाने का दावा किया है।

आईआरसीटीसी घोटालाः राबड़ी देवी की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सीबीआई से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की उस याचिका पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जवाब मांगा है, जिसमें उन्होंने आइआरसीटीसी घोटाला मामले में उनके खिलाफ आरोप तय करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा की एकल पीठ ने शुक्रवार को राबड़ी देवी की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीबीआई को नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई सोमवार को निर्धारित की है। याचिका में राबड़ी देवी ने राऊज एवेन्यू कोर्ट के विशेष सीबीआई न्यायाधीश द्वारा 13 अक्टूबर 2025 को पारित आरोप तय करने के आदेश को रद करने की मांग की है। याचिका में राबड़ी देवी ने कहा है कि ट्रायल कोर्ट ने मात्र अनुमानों और संभावनाओं के आधार पर आरोप तय किए हैं। उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है जो धोखाधड़ी, अनुचित लाभ या सार्वजनिक धन की हानि साबित करे। उन्होंने दावा किया कि वे टेंडर प्रक्रिया में शामिल नहीं थीं और न ही संबंधित कंपनी में निदेशक या शेयर धारक थीं।

दिल्ली के प्रमुख स्टेशनों पर नहीं मिलेगी ये सेवा, गणतंत्र दिवस पर रेलवे का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस समारोह को ध्यान में रखकर शहर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। रेलवे स्टेशनों पर भी सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में नई दिल्ली सहित अन्य रेलवे स्टेशनों पर 23 जनवरी से 26 जनवरी तक पार्सल सेवा पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान न तो पार्सल की बुकिंग होगी और न बाहर से आने वाले पार्सल उतारे जाएंगे। पार्सल गोदाम और प्लेटफार्म पार्सल के पैकेज/पैकिंग से मुक्त रहेंगे और सभी उपरोक्त स्टेशनों पर लीज्ड एसएलआर और वीपी सहित आवक और जावक पार्सल ट्रैफिक दोनों पर प्रतिबंध लगाया गया है। सभी व्यावसायिक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद पंजीकृत समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की बुकिंग की अनुमति दी जाएगी। इन स्टेशनों पर नहीं मिलेगी सेवा उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय का कहना है कि नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन,आनंद विहार टर्मिनल और दिल्ली सराय रोहिल्ला से चलने वाली ट्रेनों में सभी प्रकार की पार्सल सेवा पर रोक रहेगी। इन स्टेशनों पर न तो पार्सल लोड किए जाएंगे और न बाहर से आने वाली ट्रेनों से पार्सल की अनलोडिंग होगी। यात्री केवल कोच में अपने साथ सामान ले जा सकेंगे।

दिल्ली पुलिस ने चंद घंटों में ही बदमाशों को दबोचा, मोबाइल छीनकर भागे थे आरोपी

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली के भलस्वा डेरी थाना क्षेत्र में हुई झपटमारी की वारदात को कुछ ही घंटों में सुलझाते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस इनसे पूछताछ कर इनके अन्य साथियों का पता लगा रही है। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि वारदात 10 जनवरी की रात करीब 12:46 बजे मुकुंदपुर स्थित सी-ब्लाक से झपटमारी की सूचना पुलिस को मिली। पीड़ित ओम प्रकाश ने बताया कि वह वीर बाजार रोड से गुजर रहे थे, तभी मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने जबरन उनका मोबाइल फोन छीन लिया और मौके से फरार हो गए। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। टीम ने इलाके में लगे कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी व मानवीय सूचना तंत्र का सहारा लेते हुए आरोपितों के भागने के रास्ते का पता लगाया। पुलिस टीम ने कुछ ही घंटों में मुकुंदपुर इलाके से दोनों आरोपितों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अमित उर्फ दानिश और साहिल के रूप में हुई है। अमित उर्फ दानिश थाना भलस्वा डेरी का घोषित बदमाश है, जिसके खिलाफ चोरी और सेंधमारी के करीब एक दर्जन मामले पहले से दर्ज हैं। वहीं, साहिल का कोई पूर्व आपराधिक रिकार्ड सामने नहीं आया है। दोनों आरोपियों की निशानदेही पर छीना गया मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई है।

यमुना में प्रदूषण घटाने के लिए नजफगढ़ नाले की सफाई शुरू, फिनलैंड की आधुनिक मशीनें तैनात

पश्चिमी दिल्ली। नजफगढ़ नाले की सफाई, जो यमुना नदी में 70 प्रतिशत प्रदूषण का कारण है, शुक्रवार को दिल्ली के सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश वर्मा की मौजूदगी में फिनलैंड से मंगाई गई अत्याधुनिक मशीनों से शुरू हुई। धुलसिरास गांव के पास आयोजित कार्यक्रम में, अत्याधुनिक एम्फीबियस (सूखी जमीन और गहरे पानी दोनों में काम करने में सक्षम) मल्टीपर्पस ड्रेजर वाटरमास्टर और तीन हॉपर बार्ज को चालू किया गया। इस मौके पर विधायक संदीप सहरावत, नगर पार्षद सविता शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष राज शर्मा और कई अन्य लोग मौजूद थे। मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि यह पहल यमुना की सफाई के लिए टेक्नोलॉजी-आधारित, बड़े पैमाने पर और लगातार कार्रवाई की दिशा में एक निर्णायक बदलाव है। नजफगढ़ नाले की सफाई से यमुना नदी की सफाई में मदद मिलेगी और दिल्ली की बाढ़ प्रबंधन प्रणाली मजबूत होगी। मंत्री ने कहा कि नजफगढ़ नाला यमुना प्रदूषण का सबसे बड़ा स्त्रोत है। अगर हम यमुना की सफाई को लेकर गंभीर हैं, तो इस नाले का इलाज सबसे अच्छी उपलब्ध टेक्नोलॉजी और लगातार निगरानी से किया जाना चाहिए। अगर यह मशीन उम्मीद के मुताबिक काम करती है, तो इसी तरह की उन्नत मशीनें यमुना नदी और इसके अन्य नालों में भी

लगाई जाएंगी। यमुना की सफाई सिर्फ घोषणाओं से नहीं होगी, बल्कि जमीन पर लगातार और वैज्ञानिक कार्रवाई से ही होगी। इस अत्याधुनिक ड्रेजिंग बेड़े की तैनाती से यमुना के कायाकल्प के प्रयासों को नई गति मिलने की उम्मीद है, और आने वाले मानसून से पहले दिल्ली की बाढ़ की तैयारी भी काफी मजबूत होगी। एम्फीबियस मल्टीपर्पस ड्रेजरः एक बहुमुखी मशीन फिनलैंड से आयातित यह एम्फीबियस मल्टीपर्पस ड्रेजर एक बहुत ही बहुमुखी मशीन है जो सूखी जमीन और छह मीटर गहरे पानी में प्रभावी ढंग से काम कर सकती है, जो 18 फीट की गहराई तक पहुंच सकती है। यह ड्रेजिंग, रेकिंग, पाइलिंग, कीचड़ हटाने और जलीय खरपतवार और जलकुंभी की सफाई जैसे विभिन्न कार्यों के लिए उपयुक्त है। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि यह मशीन तीन से चार दशक पुरानी गाद को काटती है और सक्शन टेक्नोलॉजी का उपयोग करके इसे सीधे हटा देती है। इससे पानी तुरंत नाले में वापस बहने लगता है, जबकि गाद को एक अलग जगह पर इकट्ठा किया जाता है। इस मशीन की सबसे बड़ी खासियत इसकी एम्फीबियस गतिशीलता है, जो इसे बिना किसी रुकावट के जमीन और पानी के बीच चलने की अनुमति देती है। इसमें चार स्टेबलाइजर, एक फ्लेक्सिबल एक्सकेवेटर आर्म है जो 180 डिग्री तक घूम सकता है, और 600 लीटर की क्षमता वाली एक बैखो बकेट है। यह ड्रेजर कैटरपिलर एयर-वॉटर रेडिएटर-कूल्ड इंजन से चलता है और इसमें GPS-आधारित ट्रैकिंग सिस्टम और फ्यूल सेंसर भी लगा है, जो इसके ऑपरेशन में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करता है। इस ड्रेजर की कीचड़ पंप करने की क्षमता 600 क्यूबिक मीटर प्रति घंटा है और यह गाद को 1.5 किलोमीटर दूर तक फेंक सकता है। हॉपर बार्ज काम को तेज करेंगे ड्रेजिंग ऑपरेशन को और भी ज्यादा असरदार बनाने के लिए, तीन सेल्फ-प्रोपेल्ड और सेल्फ-डिस्चार्जिंग हॉपर बार्ज भी लगाए गए हैं।

जिलाधिकारी डॉ.राजेंद्र पैंसिया के निर्देशन में समीक्षा बैठक की गई आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ.राजेंद्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्टजिलाधिकारी डॉ.राजेंद्र पैंसिया के निर्देशन की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन)अधिनियम 2018 के अन्तर्गत शुल्क वृद्धि एवं कक्षा आठ तक के प्राइवेट विद्यालयों में यूनिफॉर्म एवं एनसीईआरटी की पुस्तकें लागू होने को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अंतर्गत डीपीएमयू से श्यामा कुमार द्वारा बैठक से संबंधित विभिन्न बिंदुओं के विषय में मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराया मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि विद्यालयों में एनसीईआरटी की पुस्तकें संचालित रहें तथा विद्यालयों में बच्चों की फीस ₹20000 वार्षिक से ऊपर पर शुल्क वृद्धि एवं विद्यालय में यूनिफार्म बदलने आदि के लिए जिला शुल्क नियामक समिति के अनुमोदन की आवश्यकता होगी तथा विद्यालयों में अवकाश बेसिक शिक्षा परिषद के नियमों एवं जिलाधिकारी के अनुमन्य से ही लागू हो तथा विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विशेष जोर दिया जाए विद्यालयों में निर्धारित पाठ्यक्रम ही लागू रहे । मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा की ओर लौटना होगा इस ज्ञान ने विश्व को बहुत कुछ दिया है ।उन्होंने कहा कि परंपरागत लर्निंग पर भी हमें कार्य करना होगा ।उन्होंने कहा कि भारत एवं भारतीय अब जाग रहे हैं तथा सीखना मातृभाषा में ही संभव है बच्चों को क, ख, ग, घ के माध्यम से पढ़ाया जाए तथा समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी प्राइवेट स्कूलों का समय-समय पर भ्रमण करते रहें विद्यालयों में एनसीईआरटी की पुस्तकें संचालित रहें। उन्होंने कहा कि विद्यालय अनावश्यक शुल्क नहीं लें तथा किसी भी बच्चों को किसी विशेष दुकान से पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जाए तथा बच्चों की गणित हिंदी एवं विज्ञान को मजबूत किया जाए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि अपार आईडी सभी को बनाना है और उन्होंने कहा कि जिन बच्चों द्वारा डीबीटी लिया गया है उनका प्राइवेट स्कूल बीच में एडमिशन अपने विद्यालयों में न लें कक्षाओं के अनुसार ही पाठ्यक्रम लागू हो आरटीई एक्ट को लेकर भी उन्होंने निर्देशित किया। डीपीएमयू से श्यामा कुमार द्वारा सभी विद्यालयों को कहा गया कि शिक्षकों की न्यूनतम योग्यता को ध्यान में रखते हुए ही शिक्षक रखें। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, खण्ड शिक्षा अधिकारी एम एल पटेल सहित समस्त खंड शिक्षा अधिकारी एवं जनपद के कक्षा 8 तक के समस्त प्राइवेट विद्यालयों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

'दिल्ली रहने लायक नहीं, घर बेचकर चले जाएंगे गांव'; बेटे की हत्या पर मां बेसुध और भाई बोला- मजबूती से लड़ेंगे केस

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। वारदात के बाद से पीड़ित परिवार में मातम का माहौल है। बुजुर्ग पिता और माता का रो-रोकर बुरा हाल है। इनके आंखों से आंसू नहीं थम रहे हैं। पिता लक्ष्मण ने रोते हुए कहा कि दिल्ली अब रहने लायक नहीं बची है। बवाना जेजे कॉलोनी में आए दिन इस तरह की वारदात होती रहती हैं। कुछ देर पहले ही बेटा हमसे मिलकर गया था। करीब आधे घंटे बाद ही पता चलता है कि बेटे को किसी ने चाकू मार दिया है। अस्पताल पहुंचने पर पता चलता है कि उसकी मौत हो चुकी है। किसी से कोई विवाद नहीं था। बस सोशल मीडिया पर दीपू के साथ वाला फोटो देखकर मेरे बेटे को मार दिया। जबकि मेरा बेटा उसे जानता भी नहीं था। वहीं, माता सुदामा बेसुध हैं, होश आता भी है तो बस एक ही बात कहती है, मेरे लाल को बदमाशों ने मार दिया। रंजन के बड़े भाई राजा ने कहा कि अब हम दिल्ली छोड़ देंगे। यहां घर बेचकर अपने गांव चले जाएंगे।बवाना जेजे कॉलोनी सुरक्षित जगह नहीं है। हम अब अपने भाई की लड़ाई काफी मजबूती के साथ लड़ेंगे। एक-एक आरोपियों को सजा दिलाएंगे। पुलिस ने तीन आरोपी तो पकड़ लिए। बाकी आरोपी भी पकड़े जाएं, इसके लिए मैं पुलिस के आलाधिकारियों से मांग करता हूं। शादी के रिश्ता ढूंढ रहे थे पिता पिता लक्ष्मण महतो ने बताया कि हम बेटे के लिए रिश्ता भी ढूंढ रहे थे। इसी साल में उसकी शादी भी करनी थी। गांव में रिश्ते के लिए कई रिश्तेदारों से बात भी हुई थी। बेटा भी रंजन अब अपनी जिम्मेदारी समझने लगा था। नियमित रूप से काम पर भी जाता और पैसे भी घर लाकर देने लगा था। हम पुलिस अधिकारी से आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त सजा की मांग रहे हैं।

धामपुर के नई सराय मोहल्ले में 30 से 40 लाख की बड़ी चोरी

शादी में गए दंपति के घर से जेवरात व नकदी ले उड़े चोर

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर से बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। नई सराय मोहल्ले में सोमवार रात चोरों ने उस वक्त धावा बोल दिया, जब एक दंपति शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाहर गया हुआ था। सुनसान पड़े मकानों को निशाना बनाते हुए चोरों ने एक नहीं, बल्कि तीन मकानों के ताले तोड़ डाले और तिजोरी काटकर करीब 30 से 40 लाख रुपये की नकदी और कीमती जेवरात लेकर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि पीड़ित दंपति रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने गया था। देर रात मोहल्ले में संदिग्ध गतिविधि देख स्थानीय लोगों को शक हुआ। उन्होंने तुरंत दंपति को फोन कर सूचना दी। जानकारी मिलते ही दंपति आनन-फानन में घर लौटे, जहां का मंजर देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। घर के अंदर तीनों मकानों के ताले टूटे हुए थे, अलमारियां खुली पड़ी थीं और पूरा सामान बिखरा हुआ था। चोरों ने बड़ी ही सफाई से तिजोरी तोड़ी और उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात के साथ भारी मात्रा में नकदी पर हाथ साफ कर दिया। चोरी गए सामान की कीमत 30 से 40 लाख रुपये के बीच बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस बड़ी चोरी का खुलासा किया जाएगा। इस वारदात के बाद नई सराय मोहल्ले समेत आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी की बढ़ती घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

"हजार झूठ भी सच नहीं बदलेंगे" मनजिंदर सिंह सिरसा ने एएपी पर बोला हमला, फॉरेंसिक रिपोर्ट पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आम आदमी पार्टी की नेता प्रतिपक्ष अतिशी और पंजाब सरकार पर तेज हमला करते हुए आरोप लगाया कि यह पूरा प्रकरण झूठ को सच साबित करने की संगठित कोशिश है। सिरसा ने कहा कि आम आदमी पार्टी का राजनीतिक चरित्र शुरू से ही झूठ पर आधारित रहा है और अरविंद केजरीवाल ने सुरक्षा, सरकारी घर, गाड़ी और हवाई यात्रा न लेने की बातें करके बाद में उन्हीं बातों को अपनाया। सिरसा के अनुसार, अब उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली विधानसभा के भीतर गुरु तेग बहादुर जी के संदर्भ में अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल को छिपाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि अतिशी द्वारा दिए गए कथित बयान को फॉरेंसिक रिपोर्ट की आड़ में दबाने का प्रयास हो रहा है। मामला State vs Meta है, व्यक्तियों का नहीं मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह मामला State vs Meta है, न कि उन व्यक्तियों के खिलाफ जिनके सोशल मीडिया अकाउंट की जांच की जा रही है। इसके बावजूद पंजाब पुलिस ने अदालत में कई लोगों के फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स अकाउंट्स की सूची पेश की, लेकिन किसी भी व्यक्ति को केस में पार्टी नहीं बनाया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सच सामने लाना उद्देश्य था, तो आरोपितों को पार्टी क्यों नहीं बनाया गया। फॉरेंसिक जांच पर सवाल सिरसा ने फॉरेंसिक प्रक्रिया पर गंभीर आपत्तियां जताईं। उनके अनुसारः बिना मूल (Original) विधानसभा वीडियो के की गई, बिना अतिशी को बुलाए, बिना उनका वॉयस सैंपल लिए, और बिना किसी आईटी या साइबर फॉरेंसिक विशेषज्ञ के, बल्कि एक कांस्टेबल द्वारा एआई टूल का इस्तेमाल कर तैयार की गई। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में वीडियो के किस हिस्से में छेड़छाड़ होने का कोई स्पष्ट विवरण नहीं दिया गया। सिर्फ वीडियो डॉक्टर्ड है

कपिल मिश्रा पर प्राथमिकी , दिल्ली सरकार जल्द बुला सकती है विधानसभा का विशेष सत्र; पंजाब पुलिस के जवाब पर उठे सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ पंजाब पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर मामले में दिल्ली सरकार जल्द विधानसभा का विशेष सत्र बुला सकती है। जिसमें आगे की कार्यवाही पर फैसला लिया जाएगा। दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने पंजाब की फोरेंसिक लैब के निदेशक को नोटिस भेजकर कहा कि किस आधार पर आपने दिल्ली विधानसभा की संपत्ति यानी विधानसभा सदन के वीडियो पर अपनी रिपोर्ट दे दी। कहा कि दिल्ली विधानसभा से वीडियो लेना उचित क्यों नहीं समझा। वहीं, दिल्ली विधानसभा के नोटिस पर पंजाब पुलिस के महानिदेशक सहित तीन

अधिकारियों ने अपने जवाब दिल्ली विधानसभा को भेज दिए हैं, जिसमें दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर पर किसी ने भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक ने कहा कि उनके परिवार में किसी का निधन हो गया है, इसलिए वह अभी उस प्रक्रिया में व्यस्त हैं और जवाब देने की स्थिति में नहीं है। जालंधर के पुलिस आयुक्त ने कहा कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम के कारण वह उस आयोजन में व्यस्त हैं, इसलिए जवाब नहीं दे पाए हैं। वही, पंजाब के विशेष महानिदेशक (साइबर क्राइम) ने कहा कि वह रेफर किए गए मामलों पर एफआईआर दर्ज करते हैं, उनका सीधे तौर पर कोई मामला एफआईआर दर्ज करने का नहीं है। दिल्ली विधानसभा इन जवाबों को पंजाब पुलिस की बहानेबाजी मान रही है।

गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली में बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़, मिला हथियारों का जखीरा; पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस समारोह से पूर्व चाक चौबंद सुरक्षा तैयारी में जुटे दक्षिण-पश्चिम जिला के स्पेशल स्टाफ ने राजधानी में अवैध हथियार बनाने व बेचने वाले एक सिंडिकेट का भंडाफोड़ कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से अवैध हथियारों की बड़ी खेप 20 कट्टा, 12 कारतूस व अन्य सामान बरामद किए हैं। ये सभी आरोपी हत्या, गैंगस्टर एक्ट, लूटपाट, डकैती और आर्म्स एक्ट जैसे आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। यह सिंडिकेट लंबे समय से दिल्ली-एनसीआर, यूपी व हरियाणा के गैंगस्टरों और बदमाशों को अवैध हथियारों की आपूर्ति कर रहा था। तस्करों में कौन-कौन शामिल? डीसीपी अमित गोयल के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए तस्करों में उपेंद्र, गांव खेड़ी रकधान, मुजफ्फरनगर, यूपी का रहने वाला है। यह हत्या और गैंगस्टर एक्ट के पहले के दो मामलों में शामिल रहा है। अशरफ अली, गांव कैली दौराला, मेरठ का रहने वाला है और हत्या व गैंगस्टर एक्ट के पहले के दो मामलों में शामिल रहा है। बताया गया कि सतीश, गांव कपसरह, मेरठ का रहने वाला है। यह भी हत्या और गैंगस्टर एक्ट के पहले के दो मामलों में शामिल रहा है। भरत, राज नगर

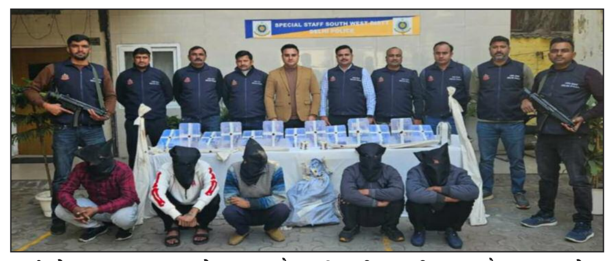

पार्ट-दो, पालम का रहने वाला है और हत्या के प्रयास और डकैती के पहले के छह मामलों में शामिल रहा है। इम्तियाज, गांव बगडोला, सेक्टर-आठ, द्वारका का रहने वाला है और डकैती, झपटमारी और आर्म्स एक्ट के पहले के आठ मामलों में शामिल रहा है। इनकी गिरफ्तारी से पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश में चल रहे अवैध हथियारों के निर्माण और तस्करी करने वाले सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर अवैध हथियारों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी और बड़ी मात्रा में कच्चा माल भी बरामद किया है। गणतंत्र दिवस समारोह से पहले, अवैध हथियारों के बढ़ते खतरे को रोकने के लिए दक्षिण-पश्चिम जिले की पुलिस ने अवैध हथियारों के निर्माण और सप्लाई में शामिल अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इसके तहत चार जनवरी को सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, इंस्पेक्टर विजय कुमार बालियान की टीम ने राजोकरी टी-प्वाइंट, कापसहेड़ा के पास भरत नाम के एक तस्कर को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक कट्टा और एक कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में इसने अवैध हथियार बनाने वाले एक सिंडिकेट के बारे में बताया और मेरठ के कैली गांव के रहने वाले अशरफ अली के शामिल होने के बारे में भी बताया। वह अवैध हथियार बनाने में सक्रिय रूप से शामिल था। उसने बताया कि अशरफ अपने साथियों के साथ मिलकर अवैध हथियों की एक फैक्ट्री चला रहा है और दिल्ली-एनसीआर, यूपी व हरियाणा में सक्रिय अपराधियों को हथियार सप्लाई कर रहा है। उसकी निशानदेही पर कैली गांव में छापामारी कर अवैध हथियार बनाने वाली यूनिट का भंडाफोड़ हुआ। वहां से अशरफ अली, उपेंद्र और सतीश नाम के तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया।

रोहित शर्मा का अपमान ! गौतम गंभीर-अजीत अगरकर ने की नाइंसाफी ? पूर्व क्रिकेटर ने खोला मोर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी ने रोहित शर्मा को भारत की वनडे कप्तानी से हटाए जाने की कड़ी आलोचना की है और संकेत दिया है कि इस फैसले में मुख्य कोच गौतम गंभीर की भूमिका रही है। 37 वर्षीय तिवारी और गंभीर के बीच पहले भी मतभेद रहे हैं और माना जा रहा है कि यह दोनों के बीच बदले की भावना का नतीजा है। उनका मानना है कि रोहित की फॉर्म और अनुभव को देखते हुए अचानक कप्तानी बदलना उनके प्रति अनादर का प्रतीक है।

जून 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय और पिछले साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी रोहित भारत की वनडे टीम के अहम सदस्य बने रहे और उन्हें उम्मीद थी कि 2027 विश्व कप से पहले वे अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर पहुंच जाएंगे। लेकिन जब भारत ने अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा की, तो शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया। यह एक चौंकाने वाला और कुछ हद तक विवादास्पद कदम था, जिसने पूरे देश के क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बना दिया। यह और भी उल्लेखनीय था क्योंकि रोहित ने अपने कार्यकाल का शानदार अंत किया था - पिछले महीने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में जीत कप्तान के रूप में उनका आखिरी मैच था।

तिवारी ने स्पोर्ट्स टुडे को बताया कि मुझे नहीं पता कि इसका मुख्य कारण क्या है। लेकिन अजीत अगरकर को जानते हुए, वह एक प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं। वह निर्णय लेने वाले व्यक्ति हैं। ऐसे कदम उठाने में वह पीछे नहीं हटेंगे। लेकिन क्या उन्हें किसी ने प्रभावित किया था जिसके कारण उन्होंने यह फैसला लिया, यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर हमें गौर करने की जरूरत है। पर्दे के पीछे बहुत कुछ होता है, जिससे मामला पेचीदा हो जाता है। हो सकता है कि यह फैसला मुख्य चयनकर्ता ने लिया हो और उन्होंने इस बारे में खुलकर अपनी राय रखी हो। स्वाभाविक रूप से, कोच की भी इसमें भूमिका रही होगी। कोई भी व्यक्ति अकेले यह फैसला नहीं ले सकता। जो भी फैसला लिया गया है, उसके लिए दोनों बराबर जिम्मेदार हैं।

उन्होंने आगे कहा कि देखिए, मेरी राय में प्लेइंग इलेवन के चयन में बहुत असंगति रही है। अगर मुझे बिल्कुल स्पष्ट कहना हो, तो वनडे मैच देखने में मेरी रुचि कम हो गई है। हाल ही में जो कुछ हुआ है, जैसे टी20 विश्व कप विजेता कप्तान और चैंपियंस ट्रॉफी विजेता कप्तान को कप्तानी से हटाकर नए कप्तान को सौंप देना, जो मुझे लगता है कि जरूरी नहीं था। मैं रोहित के साथ खेल चुका हूं। हमारा एक खास रिश्ता है, इसलिए मुझे यह सब ठीक नहीं लगा। मुझे लगा कि यह उस क्रिकेटर का अपमान है जिसने

दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को इतना कुछ दिया है। उसी दिन से मेरी रुचि थोड़ी कम हो गई। बहुत सारे विवाद हैं, और मुझे लगता है कि यह सब स्पष्टता की कमी के कारण हो रहा है।

हैमर थ्रो खिलाड़ी तान्या ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया लेकिन नहीं होगा रिकॉर्ड बुक में दर्ज

मंगलुरू (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय एथलीट तान्या चौधरी ने 85वीं अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप में शुक्रवार को महिला हैमर थ्रो में नया रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता लेकिन उनका यह प्रयास रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो सका क्योंकि इस टूर्नामेंट को राष्ट्रीय महासंघ से मान्यता नहीं मिली है।

तान्या ने खुद स्वीकार किया है कि टूर्नामेंट के लिये उनका डोप टेस्ट भी नहीं हुआ था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा राष्ट्रीय रिकॉर्ड की मान्यता के लिए प्रतिस्पर्धा के दौरान डोप टेस्ट जरूरी है। तान्या ने 65.60 मीटर का थ्रो फेंककर सरिता सिंह का 9 साल पुराना 65.25 मीटर का रिकॉर्ड तोड़ा। एएफआई अंतर विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप को मान्यता नहीं देता है। तान्या ने 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में भाग लिया था और वह सातवें स्थान पर रही थी।

उन्होंने कहा, 'मुझे 67 मीटर की उम्मीद थी। इस सत्र का लक्ष्य 70 मीटर है और मैं उसकी तैयारी में जुटी हूं। आज डोप टेस्ट नहीं हुआ था लेकिन राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी मेरा नमूना कभी भी, कहीं भी ले सकती है। चूंकि यह विश्व एथलेटिक्स से मान्यता प्राप्त स्पर्धा नहीं है तो यह राष्ट्रीय रिकॉर्ड नहीं माना जाएगा लेकिन टूर्नामेंट का रिकॉर्ड है।% लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की एशियाई चैम्पियन पूजा सिंह ने ऊंची कूद में 1.85 मीटर का टूर्नामेंट रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता।

विराट सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने वाले विश्व के तीसरे बल्लेबाज बने

-रिचर्ड्स और लारा है पहले और दूसरे नंबर पर

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने पहले वाले आंकड़े में बदलाव करते हुए कहा है कि भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने करियर में 825 नहीं बल्कि कुल 1,547 दिन नंबर एक बल्लेबाज रहे हैं। इसके साथ ही विराट एकदिवसीय रैंकिंग में सबसे अधिक समय तक शीर्ष पर रहने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गये हैं। अब केवल वेस्टइंडीज़ के महान खिलाड़ी विव रिचर्ड्स ही 2,306 दिन और ब्रायन लारा ही 2,079 दिन के साथ ही उनसे आगे हैं। आईसीसी ने अपने ताजा अपडेट में लिखा, 'विराट अक्टूबर 2013 में पहली बार एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे थे और अब तक कुल 1547 दिन नंबर 1 स्थान रहे हैं, ये किसी भी अन्य भारतीय बल्लेबाज से ज्यादा समय है। वहीं विश्व स्तर पर सूची में वह तीसरे नंबर पर हैं, इस सूची में नंबर एक पर वेस्टइंडीज के दिग्गज विवियन रिचर्ड्स हैं, जो 2,306 दिनों तक शीर्ष पर रहे थे जबकि ब्रायन लारा 2,079 दिन के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं।' इस बदलाव से अब विराट कई दिग्गज खिलाड़ियों से आगे निकल गए हैं और लंबे समय तक शीर्ष पर रहने के मामले में रिचर्ड्स और लारा के बाद तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

बीबीएल में स्टीव स्मिथ का तूफान, 107 मीटर के सिक्स सहित जड़ा रिकॉर्डतोड़ शतक

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सिर्फ क्लासिक बल्लेबाज़ ही नहीं, बल्कि आधुनिक टी20 क्रिकेट के सबसे खतरनाक हिटर भी हैं। बिग बैश लीग 2025-26 के सिडनी डर्बी में स्मिथ ने ऐसी पारी खेली जिसने दर्शकों को हैरान और गेंदबाजों को बेबस कर दिया। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर थंडर के खिलाफ खेलते हुए, सिक्सर्स के कप्तान ने टूर्नामेंट इतिहास का संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज़ शतक जड़कर मुकाबले की पूरी कहानी बदल दी।

41 गेंदों में शतक, BBL इतिहास में खास मुकाम

स्टीव स्मिथ ने सिर्फ 41 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो BBL के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज़ शतक है। इससे पहले 2024 में जोश ब्राउन ने भी इतनी ही गेंदों में सेंचुरी बनाई थी। केवल क्रेग सिमंस और मिशेल ओवेन ही ऐसे बल्लेबाज़ हैं जिन्होंने 39 गेंदों में शतक जड़कर स्मिथ से तेज यह उपलब्धि हासिल की है। यह शतक न सिर्फ तेज था, बल्कि स्मिथ के करियर की सबसे आक्रामक पारियों में से एक माना जा रहा है।

107 मीटर का छक्का बना मैच का सबसे बड़ा आकर्षण

मैच का सबसे यादगार पल चौथे ओवर में आया, जब स्मिथ ने नाथन मैकएंड्रयू की गेंद पर फ्रंट फुट हटाकर मिड-विकेट के ऊपर 107 मीटर लंबा छक्का जड़ दिया। यह छक्का पूरे स्टेडियम में चर्चा का विषय बन गया और सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हुआ। स्मिथ की फुटवर्क, टाइमिंग और ताकत का यह शानदार मिश्रण गेंदबाजों के लिए चेतावनी बन गया।

सिक्सर्स के लिए सबसे तेज BBL शतक

स्मिथ ने इस पारी के साथ सिडनी सिक्सर्स के लिए सबसे तेज़ BBL शतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने 2023 में थंडर के खिलाफ बनाए गए 56 गेंदों के अपने ही पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वह 42 गेंदों में 100 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें पांच चौके और नौ गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनकी पारी का अंत लेग स्पिनर तनवीर संघा ने किया।

एक ओवर में 32 रन, BBL का सबसे महंगा ओवर

12वें ओवर में स्मिथ ने रयान हैडली की गेंदों पर 32 रन ठोक दिए, जो BBL इतिहास का सबसे महंगा ओवर बन गया। इस ओवर में उन्होंने तीन छक्के, एक चौका और शानदार टाइमिंग के साथ रन बटोरे। इस ओवर ने मैच को पूरी तरह सिक्सर्स के पक्ष में झुका दिया।

190 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल

स्मिथ की विस्फोटक बल्लेबाज़ी की बदौलत सिडनी सिक्सर्स ने 190 रन का लक्ष्य सिर्फ पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। स्मिथ ने मात्र 23 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर रन चेज की नींव रखी। बाबर आजम ने 47 रनों की संयमित पारी खेली, जबकि लैचलान शॉ और जैक एडवर्ड्स के छोटे लेकिन अहम योगदान ने जीत को आसान बना दिया। सिक्सर्स ने 16 गेंदें शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

डेविड वॉर्नर की सेंचुरी गई बेकार

सिडनी थंडर की ओर से डेविड वॉर्नर ने शानदार शतक लगाया और 65 गेंदों में 110 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई ठोस समर्थन नहीं मिला। निक मैडिनसन और सैम बिलिंग्स ने कोशिश की, लेकिन टीम बड़ी साझेदारी नहीं बना सकी। अंत में स्मिथ की विस्फोटक पारी के सामने वॉर्नर की मेहनत फीकी पड़ गई और सिक्सर्स ने सिडनी डर्बी में दबदबे के साथ जीत दर्ज की।

रोजर फेडरर रॉड लेवर एरिना में लौटे, रूड के साथ किया अभ्यास

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी आखिरी उपस्थिति के छह साल बाद रोजर फेडरर मेलबर्न के कोर्ट पर वापस आ गए हैं। स्विस दिग्गज शुक्रवार को 2020 के बाद पहली बार कैस्पर रूड के साथ प्रैक्टिस सेशन के लिए रॉड लेवर एरिना लौटे। फेडरर ने 2022 में प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले लिया था, अपने करियर में रूड का सामना सिफ'एक बार किया था। उनकी एकमात्र लेक्सस हेड2हेड भिड़ंत 2019 में रौलां गैरो के चौथे राउंड में हुई थी, जब फेडरर ने नॉर्वेजियन खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराया था।44 साल के खिलाड़ी ने अपने 20 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से छह ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीते हैं। टूर्नामेंट में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 102-15 है। उन्होंने आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में खेला था, जब वह सेमीफाइनल में आखिरकार चैंपियन बने नोवाक जोकोविच से हार गए थे। फेडरर शनिवार को रॉड लेवर एरिना में टूर्नामेंट के पहले उद्घाटन समारोह के हिस्से के रूप में एक प्रदर्शनी मैच खेलने वाले हैं, जिसमें तीन अन्य एटीपी नंबर 1 क्लब सदस्य भी शामिल होंगे- आंद्रे अगासी, पैट्रिक राफ्टर और लेटन हेविट।

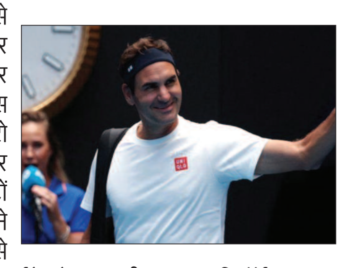

सीएसके ने इस कारण सैमसन को खरीदा : हनुमा

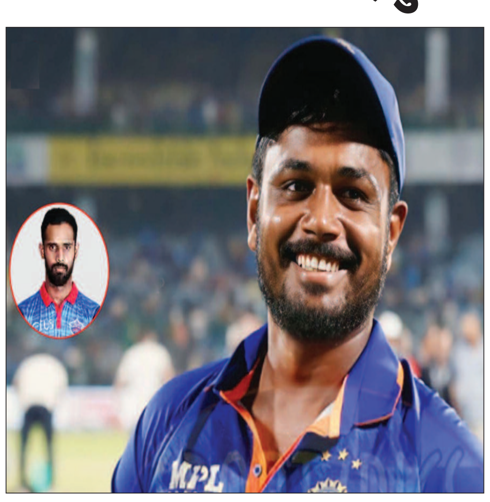

मुम्बई। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज हनुमा बिहारी ने खुलासा किया है कि संजू सैमसन को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने इसलिए टीम में लिया क्योंकि दक्षिण में उनके प्रशंसकों की काफी तादाद है। हनुमा ने कहा कि आईपीएल मालिकों की नजर में ये टूर्नामेंट खेल से कहीं बढ़कर हैं। वे इसमें अपने कारोबारी के फायदे पर भी नजर रखते है। ऐसे में सैमसन को शामिल करना उसके लिए जरुरी थी। सैमसन को ओपनर होने के कारण खरीदने की बातें सही नहीं हैं। इसका कारण है कि सीएसके के पास पहले से ही कई ऐसे बल्लेबाज हैं जो पारी की शुरुआत कर सकते हैं। एक वीडियो में हनुमा ने कहा कि सैमसन के फैनबेस के कारण ही उन्हें लेने का दबाव सीएसके पर पड़ा था। टीमों के इस बात पर काफी ध्यान देते हैं कि एक खिलाड़ी टीम के लिए कितना कारोबार ला सकता है।उन्होंने आगे कहा, सैमसन जहां भी मैच खेले जाते हैं, केरल के फैंस वहां पहुंच जाते हैं और उनका हौंसला बढ़ाते हैं। जहां तक ओपनर की बात है सीएसके के पास रुतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे हैं। ऐसे में सैमसन को नंबर 3 पर ही उतारा जाना तय है।

टी20 विश्व कप 2026 : आईसीसी का प्रतिनिधिमंडल कर सकता है बंगलादेश का दौरा

ढाका (एजेंसी)। सात फरवरी से भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) का प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए बंगलादेश का दौरा कर सकता है। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने गुरुवार को फॉरेन सर्विस एकेडमी में मीडिया से बातचीत में यह बात कही।

आसिफ नजरुल ने कहा, 'नए अपडेट के अनुसार BCB अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने मुझे बताया कि चर्चा के लिए ICC की एक टीम बंगलादेश आ सकती है। हमारे रुख में बदलाव की कोई संभावना नहीं है। हम विश्व कप में खेलने के लिए उत्सुक हैं, खासकर श्रीलंका में और मुझे पूरा भरोसा है कि इसका आयोजन करना असंभव नहीं है।' बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि ICC के साथ बातचीत चल रही है, हालांकि दौरे का समय अभी तय नहीं है।

अधिकारी ने द डेली स्टार को बताया, 'हम बातचीत कर रहे हैं, और एक प्रतिनिधिमंडल आने वाला है, लेकिन सही तारीख तय नहीं हुई है। हम संपर्क में हैं, लेकिन समय तय नहीं है।' यह डेवलपमेंट पिछले मंगलवार को BCB लीडरशिप और ICC के बीच हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद हुआ है।

बैठक के बाद बोर्ड ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए टूर्नामेंट के लिए भारत न जाने के अपने फैसले को दोहराया और बंगलादेश के मैचों को भारत से बाहर स्थानांतरित करने फिर से अनुरोध किया। हालांकि ICC ने BCB से अपने रुख पर फिर से विचार करने का आग्रह किया, लेकिन बोर्ड अपने रुख पर कायम रहा। हालांकि दोनों पक्ष टूर्नामेंट में बंगलादेश की भागीदारी के बारे में'संभावित समाधान खोजने' के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए।

एडिलेड इंटरनेशनल : फाइनल में विक्टोरिया म्बोको के साथ खेलेंगी उभरती हुई स्टार मिरर एंड्रीवा

कैनबरा। रूस की मिरर एंड्रीवा एडिलेड इंटरनेशनल के फाइनल में कनाडा की विक्टोरिया म्बोको के साथ खेलेंगी। यह मैच महिला टेनिस टूर में सबसे ज़्यादा रैंक वाली टीनएजर खिलाड़ियों के बीच होगा। दुनिया की नंबर 8 एंड्रीवा, जो एडिलेड में तीसरी सीड हैं, ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म-अप इवेंट के सेमीफाइनल में अपनी हमवतन और डबल्स पाटर्नर डायना श्नाइडर को 6-3, 6-2 से हराकर शनिवार के फाइनल में जगह बनाई, जहाँ उनका मुकाबला 17वीं रैंक वाली म्बोको से होगा। यह WTA टूर पर एंड्रीवा (18) और म्बोको (19) के बीच पहला मैच होगा। ये दोनों ही टीनएजर खिलाड़ी फिलहाल दुनिया की टॉप 25 महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं। एंड्रीवा ने एडिलेड में अपने तीनों मैचों में एक भी सेट नहीं हारा है और हर मैच में उनकी सर्विस सिर्फ एक बार टूटी है। शुक्रवार को रूसी खिलाड़ी ने श्नाइडर की तुलना में नौ ज़्यादा विनर्स लगाए और 10 कम अनफोर्स्ड एरर किए, जो फिलहाल दुनिया में 23वें स्थान पर हैं। कनाडा की विक्टोरिया म्बोको ने स्ट्रेलिया की किम्बर्ली बिरेल को सीधे सेटों में हराकर एडिलेड इंटरनेशनल के फाइनल में जगह बनाई। वर्ल्ड नंबर 17 म्बोको ने ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म-अप इवेंट के सेमीफाइनल में अपना दबदबा बनाया और सिर्फ 59 मिनट में 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। एंड्रीवा शनिवार के फाइनल में अपने चौथे डब्ल्यूटीए टूर सिंगल्स खिताब के लिए खेलेंगी, जबकि म्बोको अपने तीसरे खिताब के लिए खेलेंगी।

महिला क्रिकेट में बदलाव की मांग : न्यूजीलैंड की क्रिकेटर ने फील्डिंग नियमों और बाउंड्री साइज पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला क्रिकेट तेजी से बदल रहा है। खेल की रफ्तार, खिलाड़ियों की ताकत और दर्शकों की दिलचस्पी तीनों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इसी बदलते परिदृश्य के बीच न्यूजीलैंड की कप्तान और अनुभवी ऑलराउंडर सोफी डिवाइन ने मौजूदा फील्डिंग नियमों और बाउंड्री के आकार को लेकर अहम सवाल खड़े किए हैं। उनका मानना है कि वर्तमान परिस्थितियां बल्लेबाजों के पक्ष में अत्यधिक झुकी हुई हैं, जिससे गेंदबाजों के लिए संतुलन बनाना मुश्किल हो गया है। डिवाइन की यह टिप्पणी महिला क्रिकेट में संभावित सुधारों पर एक नई बहस को जन्म दे सकती है।

फील्डिंग नियमों पर दोबारा विचार की जरूरत

फिलहाल महिला क्रिकेट में नॉन-पावरप्ले ओवरों के दौरान इनर सर्कल के बाहर सिर्फ चार फील्डर रखने की अनुमति है। यह नियम ज्यादा रन और बाउंड्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू किया गया था। हालांकि, सोफी डिवाइन का मानना है कि खेल अब उस स्तर तक पहुंच चुका है जहां इस नियम की समीक्षा जरूरी हो गई है। डिवाइन के अनुसार, बल्लेबाजों की पावर और शॉट-मेकिंग क्षमता में जिस तरह का इजाफा हुआ है, उसे देखते हुए बाहर पांच फील्डर रखने की इजाजत देने से खेल की प्रतिस्पर्धा पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा।

छोटी बाउंड्री से गेंदबाजों पर बढ़ता दबाव

महिला प्रीमियर लीग (WPL) में बाउंड्री की अधिकतम लंबाई 60 मीटर तय की गई है, जबकि पुरुष क्रिकेट में यह दूरी 70 से 77 मीटर तक होती है। डिवाइन का मानना है कि छोटी बाउंड्री और सीमित फील्डिंग विकल्पों का मेल गेंदबाजों के लिए मुश्किलें बढ़ा देता है। उन्होंने कहा कि खासकर सपाट पिचों पर गेंदबाजों के पास गलती की गुंजाइश बेहद कम रह जाती है, क्योंकि हल्की सी चूक भी आसानी से बाउंड्री में तब्दील हो जाती है।

अमन मोखाड़े ने रचा इतिहास, लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बने

बेंगलुरु (एजेंसी)। विदर्भ के 24 साल के ओपनर अमन मोखाड़े के लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का इतिहास रचने के बाद क्रिकेट की दुनिया में हलचल मच गई है। सिर्फ 16 इनिंग्स में यह उपलब्धि हासिल करते हुए मोखाड़े ने देवदत्त पडिक्कल और अभिनव मुकुंद के 17 इनिंग्स के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस उपलब्धि ने साउथ अफ्रीकी लीजेंड ग्रीम पोलक के लंबे समय से चले आ रहे विश्व रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली।

मोखाड़े की रिकॉर्ड तोड़ने वाली पारी 2025-26 विजय हजारे ट्रॉफी के कर्नाटक के खिलाफ एक हाई-प्रेशर सेमीफाइनल में आई। 281 रनों का पीछा करते हुए विदर्भ को शुरुआती झटका लगा जब ओपनर अथर्व तायडे सस्ते में आउट हो गए। मोखाड़े ने शुरुआती दबाव झेला, पहले ध्रुव शौरी के साथ 99 रन की पार्टनरशिप करके चेज को संभाला, जिन्होंने 47 रन बनाए। फिर उन्होंने आर समर्थ के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए मैच जीतने वाली 147 रन की पार्टनरशिप की।

समर्थ ने 76 रन बनाए, जबकि मोखाड़े ने पारी को संभाला, भले ही ऐंठन की वजह से वह धीमे पड़ रहे थे। कर्नाटक ने पहले बैटिंग करने का फैसला करके 280 रन बनाए थे। उनकी इनिंग में विदर्भ को शुरुआती ब्रेकथ्रू मिले, क्योंकि दोनों ओपनर, मयंक अग्रवाल और पडिक्कल, पहले 10 ओवर के अंदर आउट हो गए। करुण नायर और ध्रुव प्रभाकर के बीच 54 रन की पार्टनरशिप ने कुछ ऑर्डर वापस लाया, इसके बाद करुण नायर और केएल श्रीजीत के बीच 113 रन की पार्टनरशिप हुई।

दोनों ने फिफ्टी पूरी की, लेकिन कर्नाटक ने आखिरी ओवरों में मोमेंटम खो दिया। विदर्भ के बॉलर दर्शन नलकांडे ने बॉल से कमाल किया, उन्होंने 48 रन देकर 5 विकेट लिए। इस सीज़न में घरेलू टूर्नामेंट में मोखाड़े का लगातार अच्छा प्रदर्शन शानदार रहा है। रणजी ट्रॉफी के पहले लेग में उन्होंने 7 इनिंग में 96.16 की एवरेज से 577 रन बनाए। वह 2025-26 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 157.25 की स्ट्राइक रेट से 206 रन बनाकर विदर्भ के चार्ट में टॉप पर रहे और विजय हजारे ट्रॉफी में नौ इनिंग में 97.62 की एवरेज से 781 रन बनाकर अपना दबदबा बनाए रखा। इन टूर्नामेंट में, मोखाड़े ने आठ सेंचुरी और पांच हाफ-सेंचुरी लगाई हैं।

भारत ने अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में जीत से शुरुआत की, पहले ही मैच में यूएसए को 6 विकेट से हराया

बुलवायो। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेले जा रहे अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में जीत के साथ शुरुआत की है। आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) को 6 विकेट से हरा दिया। बारिश से बाधिम इस मैच में अमेरिकी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 107 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 37 ओवरों में 96 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। जो भारतीय टीम ने 17.2 ओवर में ही 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। अब भारतीय टीम शनिवार को बांग्लादेश से खेलेगी। वहीं भारत के अलावा वेस्टइंडीज, स्कॉटलैंड और जिम्बाब्वे की टीमें भी जीत के साथ ही 2-2 अंक हासिल करने में सफल रही हैं। वेस्टइंडीज अंडर-19 टीम ने तंजानिया को हराया। वहीं जिम्बाब्वे और स्कॉटलैंड का मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया।

ग्लैमर से ज्यादा कंटेंट को अहमियत देते हैं रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा हमेशा अपने जड़ों से जुड़े रहने और अपनी संस्कृति को अपनाने पर जोर देते हैं। वह उन कलाकारों में से हैं जो ग्लैमर से ज्यादा कंटेंट को अहमियत देते हैं। उनका मानना है कि भाषा, संस्कृति और जड़ें किसी भी व्यक्ति के लिए कोई रोक नहीं हैं, बल्कि ये उसकी ताकत और पहचान बनाती हैं।

इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जब हम अपने मूल्यों और संस्कृति को समझते हैं और उन्हें अपनाते हैं, तो हमारे सोचने का नजरिया और दुनिया को देखने का तरीका भी बदल जाता है। रणदीप हुड्डा अब उन कहानियों से जुड़ रहे हैं जो हरियाणवी, राजस्थानी और भोजपुरी संस्कृति को सामने लाती हैं।

रणदीप हुड्डा ने कहा कि मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं जो दिखावटी न हों, बल्कि जिंदगी की सच्चाई को ईमानदारी से सामने रखें। आज के दौर में जब सब कुछ तेज और चमकदार होता जा रहा है, तब सिनेमा का काम लोगों को ठहरकर सोचने का मौका देना भी है। गांव, मिट्टी, रिश्ते और संघर्ष से निकली कहानियां दर्शकों के दिल में ज्यादा देर तक रहती हैं। ऐसी फिल्मों में काम करना एक अभिनेता को और बेहतर बनाता है, क्योंकि यहां अभिनय के साथ-साथ संवेदनशीलता भी जरूरी होती है। उन्होंने कहा, मैं अपने करियर में संख्या से ज्यादा गुणवत्ता पर ध्यान दे रहा हूं। हर फिल्म मेरे लिए एक सीख होती है, जो न सिर्फ एक कलाकार, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी मुझे आगे बढ़ाती है। जब मैं अपनी जड़ों से जुड़ी कहानियों का हिस्सा बनता हूं तो दर्शक भी खुद को उस कहानी में देख पाते हैं। बातचीत के दौरान रणदीप हुड्डा ने कहा, सिनेमा समाज को आईना दिखाने का काम करता है। अगर फिल्में लोगों को अपनी पहचान, संस्कृति और मूल्यों से जोड़ने में सफल होती हैं, तो वही सिनेमा की असली जीत है। यही सोच मुझे बार-बार ऐसी कहानियों की ओर खींचती है, जो सरल होते हुए भी गहरी छाप छोड़ जाती हैं।

कैसे शख्स से शादी करना चाहती थीं तारा सुतारिया?

ब्रेकअप की खबरों, अफवाहों के बीच तारा सुतारिया का एक पुराना इंटरव्यू चर्चा में आ गया है। इस इंटरव्यू में वह बता रही हैं कि उन्हें कैसा लाइफपार्टनर चाहिए? वह अपने पार्टनर में क्या-क्या क्वालिटीज देखती हैं।

तारा सुतारिया ने रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में अपने लाइफपार्टनर को लेकर बात की थी। यह तब की बात है, जब वीर पहाड़िया के साथ उनके रिलेशनशिप में होने की अफवाहें उड़ी थीं। लेकिन रिलेशनशिप को दोनों ने कंफर्म नहीं किया था। तारा से पॉडकास्ट में पूछा गया था कि क्या वह विदेशी व्यक्ति से शादी करेंगी? इस पर तारा ने जवाब दिया था, 'मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा। मैं बहुत देसी इंसान हूं। मुझे अपने यहां का देसीपन पसंद है। हमारे यहां एक खास तरह का चिल-आउट माहौल होता है। यहां रहने का एक खास तरीका है। मुझे यह सबकुछ पसंद है। मुझे सादगी चाहिए और कंफर्ट चाहिए।'

पार्टनर में चाहिए किस तरह की क्वालिटी?

तारा सुतारिया पॉडकास्ट में आगे कहती हैं, 'मेरे पार्टनर को भी पता होना चाहिए कि वह कौन है? मुझे लगता है कि अगर आपको पता है कि आप कौन हैं? तो बाकी सबकुछ अपने आप ठीक हो जाता है। सेल्फ अवेयरनेस बहुत जरूरी है।'

तारा सुतारिया के ब्रेकअप की अटकलों के पीछे क्या कारण है?

कुछ दिन पहले सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में तारा सुतारिया पहुंची थीं, उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया भी साथ थे। कॉन्सर्ट के दौरान एपी ढिल्लों ने तारा सुतारिया को मंच पर बुलाया। इस दौरान दोनों के बीच की बॉन्डिंग ने सभी को हैरान कर दिया। स्टेज पर तारा, एपी ढिल्लों के साथ मंच पर थीं और सिंगर ने उन्हें किस कर लिया। इसके बाद जिस तरह से वीर पहाड़िया का रिएक्शन कैमरे में कैद हुआ, उसने हंगामा मचा दिया। गौरतलब है कि तारा और वीर ने इसी साल अगस्त में अपने रिश्ते को पब्लिक किया था। इसके बाद से दोनों अक्सर साथ नजर आते रहे हैं, दोनों के वीडियोज भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं। इंस्टाग्राम पर भी दोनों साथ में फोटो पोस्ट करते थे। लेकिन अब इनके ब्रेकअप की खबरें सामने आ रही हैं। जिसके पीछे सोशल मीडिया यूजर्स एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई घटना को जिम्मेदार मान रहे हैं। वैसे तारा सुतारिया ने एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई बातों को वायरल करवाने के पीछे नेगेटिव पीआर को जिम्मेदार माना था।

करियर फंट पर क्या कर रही हैं तारा सुतारिया?

तारा सुतारिया करियर फंट को लेकर भी चर्चा में हैं। जल्द ही वह साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक में नजर आएंगी। इस फिल्म से उनका लुक भी सामने आ चुका है। टॉक्सिक 19 मार्च को रिलीज होगी, इसकी टक्की सिनेमाघरों में फिल्म धुरंधर 2 से है।

जब स्क्रिप्ट की बात आती है तो मैं बहुत लालची हूं

मशहूर डायरेक्टर प्रियदर्शन की बेटी और लोका चैप्टर 1 के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन के बारे में अफवाह है कि वह रणवीर सिंह के साथ फिल्म प्रलय से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। इस चर्चा के बीच, उन्होंने उन बॉलीवुड ऑफर्स के बारे में भी बात की जो उन्हें मिल रहे हैं।

बातचीत में कल्याणी प्रियदर्शन ने कहा, मुझे नहीं पता कि इसे कैसे समझाऊं, लेकिन अच्छी कहानियां हमेशा मुझे मिल ही जाती हैं, चाहे भाषा कोई भी हो। मैंने हमेशा कहा है कि जब स्क्रिप्ट की बात आती है तो मैं बहुत लालची एक्ट्रेस हूं। अगर कोई अच्छी स्क्रिप्ट है, चाहे वह किसी भी भाषा में हो, चाहे वह मराठी, हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु या मलयालम हो, मुझे वह चाहिए।

लोका चैप्टर 1 एक मलयालम भाषा की सुपरहीरो फिल्म है, जो 28 अगस्त 2025 को रिलीज हुई। इस फिल्म के निर्देशक डोमिनिक अरुण हैं। इसके निर्माता दुलकर सलमान हैं। इसमें कल्याणी प्रियदर्शन के अलावा अरुण कुरियन, चंदू सलीमकुमार, निशांत सागर, रघुनाथ पलेरी, विजय राघवन, निथ्या श्री और सारथ सभा के साथ नसलेन और सैंडी ने अभिनय किया है।

कल्याणी ने हिंदी फिल्मों का भी हिस्सा बनने की इच्छा जताई, और इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए हमेशा स्क्रिप्ट और अच्छी कहानियां ही सबसे जरूरी हैं। जब कल्याणी से पूछा गया कि लोका चैप्टर 2 की सफलता के बाद हिंदी फिल्मों के ऑफर बढ़े हैं या नहीं, तो उन्होंने कहा यह नहीं कह सकती कि ऑफर बढ़े हैं या कम हुए हैं, लेकिन मौके हमेशा से रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह ऐसी इंसान हैं जो किसी भी फिल्म को अपना समय पूरी लगन से देना पसंद करती हैं।

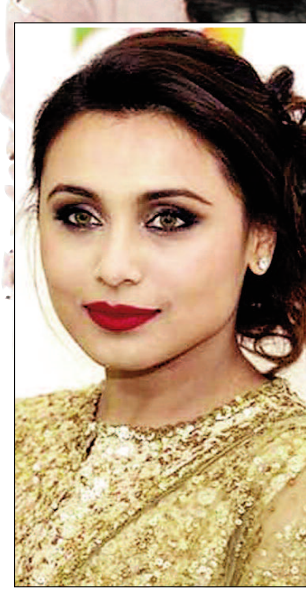

फिल्म ओह माय गॉड 3 में देवी का किरदार प्ले करेंगी रानी

लोकप्रिय फिल्म फ्रैंचाइज ओह माय गॉड का जल्द ही तीसरा पार्ट आने वाला है। हाल ही में खबर आई थी कि फिल्म में रानी मुखर्जी की दमदार एंट्री हो रही है और इस बार वो अक्षय कुमार के साथ मिलकर कहानी में बड़ा धमाका करेंगी, लेकिन अब नया अपडेट सामने आया है। दरअसल, रानी के जुड़ते ही फिल्म की कहानी का पूरा रुख बदल गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक... रानी के आने के बाद फिल्म की कहानी में बड़ा बदलाव किया गया है। स्क्रिप्ट का फोकस अब रानी के किरदार पर ज्यादा होगा, जबकि फ्रैंचाइज की पिछली दोनों फिल्मों के हीरो रहे अक्षय कुमार की भूमिका को सिर्फ कैमियो तक सीमित कर दिया गया है यानी तीसरी किस्त में अक्षय बस मेहमान बनकर रह गए हैं।

हैप्पी पटेल की रिलीज से पहले इमरान खान को सता रही है इस बात की चिंता

इमरान खान लंबे समय बाद बॉलीवुड में वापसी करने वाले हैं। इमरान कॉमेडियन वीर दास की पहली डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म हैप्पी पटेल-खतरनाक जासूस से बॉलीवुड में वापसी कर रहे हैं। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है। इसी फिल्म को लेकर आमिर खान के भांजे इमरान खान ने अपने एक डर से पर्दा उठाया है।

इमरान को किस बात का है डर?

इमरान खान भी इस फिल्म में एक छोटे लेकिन मजेदार कैमियो रोल में दिखेंगे। यह उनकी 2015 की फिल्म कट्टी बट्टी के बाद लगभग 10 से 11 साल बाद बड़ी स्क्रीन पर वापसी है। इमरान ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनका यह रोल स्न्हस्न्ह (कुछ छूट जाने का डर) की वजह से हुआ। वीर दास ने भी हाल ही में बताया कि हैप्पी पटेल को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल गया है। यानी यह फिल्म सिर्फ 18 साल से ऊपर के लोगों के लिए है। फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

यह साल की शुरुआत में एक धमाकेदार हंसी-मजाक और मनोरंजन लेकर आ रही है। इस फिल्म में वीर दास के साथ मोना सिंह, मिथिला पलकर, और शरिब हाशमी जैसे कलाकार भी हैं। इमरान खान का कैमियो इसे और भी खास बना देगा।

बिग बॉस मराठी के छठे सीजन में दिखाई देंगे एक्टर श्रेयस तलपदे

कलर्स टीवी के मशहूर रियलिटी शो बिग बॉस 19 का फिनाले 7 दिसंबर 2025 को हो चुका है। इसके बाद अब दर्शक बिग बॉस मराठी के छठे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीजन को रितेश देशमुख होस्ट करते नजर आएंगे। शो की स्ट्रीमिंग 11 जनवरी से शुरू होने जा रही है, लेकिन इससे पहले ही शो से जुड़ा एक दिलचस्प अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक... श्रेयस तलपदे इस बार बिग बॉस मराठी 6 का हिस्सा बन सकते हैं। खास बात यह है कि वह शो में मेहमान नहीं, बल्कि प्रतियोगी के रूप में घर में एंट्री कर सकते हैं। अगर यह खबर सही साबित होती है, तो यह उनका पहला बड़ा रियलिटी शो होगा।

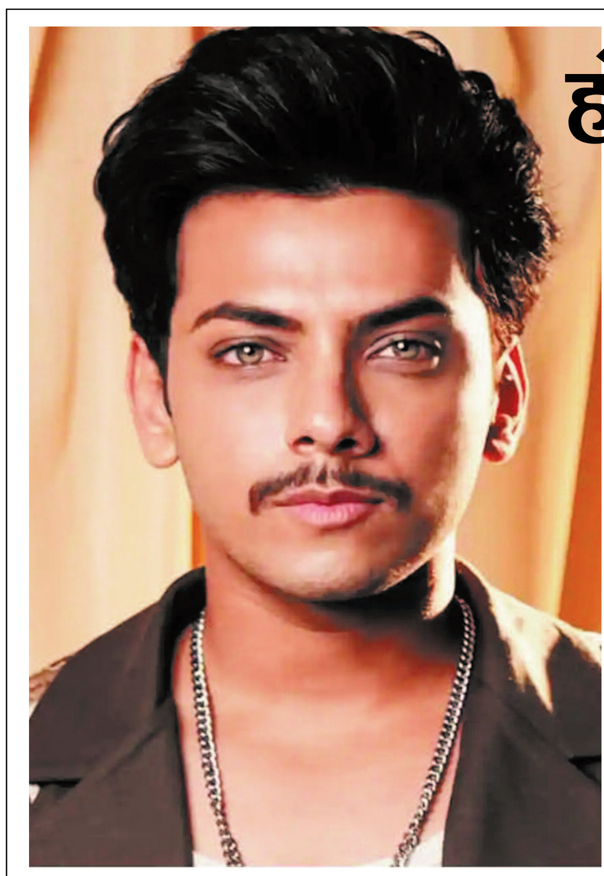

होमबाउंड मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, एक इमोशनल सफर है

फिल्म होमबाउंड अकादमी पुरस्कारों के 98 साल के इतिहास में इस श्रेणी तक पहुंचने वाली पांचवीं भारतीय फिल्म बन गई है। यह उपलब्धि एक बार फिर दिखाती है कि इंडियन कहानियों की भावनाएं और सच्चाई अब ग्लोबल मंचों पर लोगों तक पहुंच रही हैं।

इस बड़ी उपलब्धि के साथ अभिनेता विशाल जेठवा लॉस एंजेलिस पहुंच चुके हैं, जहां से फिल्म के इंटरनेशनल अवॉर्ड कैंपेन की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा, 'नए साल की शुरुआत इससे ज्यादा खास और इमोशनल नहीं हो सकती थी। इस फिल्म के ऑस्कर जर्नी के लिए लॉस एंजेलिस आना मेरे लिए किसी सपने जैसा है। सच कहूं तो मैं अब भी यह समझने की कोशिश कर रहा हूं कि यह सब वाकई मेरे साथ हो रहा है। यह फिल्म मेरे लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं रही, इसने मुझे एक एक्टर और एक इंसान दोनों रूपों में बहुत कुछ दिया है।'

'नीरज सर ने मुझे खुद को नए सिरे से खोजने का मौका दिया'

अपने डायरेक्टर नीरज घयवान के साथ काम करने के अनुभव को विशाल ने अपने करियर का सबसे अहम पड़ाव बताया। उन्होंने कहा, 'नीरज सर के साथ काम करना मेरे लिए जिंदगी बदल देने वाला अनुभव रहा। उनकी संवेदनशीलता, ईमानदारी और कहानी को देखने का नजरिया मुझे इमोशंस की उन परतों तक ले गया, जहां तक मैं शायद खुद भी पहले कभी नहीं पहुंच पाया था। उन्होंने मुझे खुद को तोड़ने, समझने और फिर एक बेहतर कलाकार के रूप में दोबारा गढ़ने का मौका दिया। मैं उनका हमेशा इस मौके के लिए आभारी रहूंगा।'

'ईशान और पूरी टीम के साथ यह सफर और भी खास हो गया' अपने सह-कलाकार ईशान खट्टर और पूरी टीम के बारे में बात करते हुए विशाल की आवाज में गर्व और अपनापन साफ झलकता है। उन्होंने कहा, 'ईशान और पूरी टीम के साथ इस सफर को साझा करना इस उपलब्धि को मेरे लिए और भी खास बना देता है। हम सबने इस फिल्म में दिल से मेहनत की है। साथ में सीखना, गिरना, संभलना और आज यहां तक पहुंचना अपने आप में बहुत इमोशनल एक्सपीरियंस रहा है। इस स्तर पर एक-दूसरे के साथ खड़े होकर फिल्म का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है।'

'यह फिल्म मुझे याद दिलाती है कि मैं अभिनेता क्यों बनना चाहता था'?

अपनी बात को बेहद आत्मीय अंदाज में खत्म करते हुए विशाल कहते हैं, 'आज यहां खड़े होकर अपने सिनेमा और अपनी कहानी का प्रतिनिधित्व करना मुझे फिर से याद दिलाता है कि मैं एक्टर क्यों बनना चाहता था। यह मेरी पहली फिल्म है, जिसे इस तरह की इंटरनेशनल पहचान मिली है और शायद इसी वजह से यह मेरे दिल के बेहद करीब है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म अलग-अलग देशों और संस्कृतियों के ऑडियंस से भी उसी तरह जुड़ेगी, जैसे शूटिंग के दौरान यह हम सब से जुड़ी थी।'

लॉस एंजेलिस में इंटरनेशनल ऑडियंस तक पहुंचेगी फिल्म की कहानी

लॉस एंजेलिस में विशाल जेठवा, ईशान खट्टर और निर्देशक नीरज घयवान मिलकर फिल्म का प्रमोशन करेंगे। यहां फिल्म की खास स्क्रीनिंग होगी और अकादमी के मेंबर्स से मुलाकात व बातचीत के कार्यक्रम रखे जाएंगे। इसका उद्देश्य फिल्म की की सच्ची और भावनात्मक कहानी को दुनिया के ऑडियंस तक पहुंचाना है। फिल्म को इसकी मजबूत कहानी और असरदार अभिनय के लिए पहले ही काफी सराहना मिल चुकी है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।